▪ भाद्रपद शुक्ल - 9 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 62 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 24-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जागरूक जनप्रतिनिधि बनने के लिए मोदी हम सभी के प्रेरणास्रोत : आदित्यनाथ
6 कैप्टन अजी एंथोनी : साथी जवानों को बचाते हुए कर दिए खुद के प्राण न्योछावर
7 'भारत बनाम इंडिया' के विवाद से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं : विजयवर्गीय

फर्स्ट टेक

यमन में फंसे 18 भारतीय नाविकों को वापस भारत लाया गया

नई दिल्ली/भाषा। हिंसा प्रभावित यमन में फंसे 18 भारतीय नाविकों को भारत वापस लाया गया है। मुंबई में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने शनिवार को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि यमन से भारतीय नाविक शहर पहुंच गए हैं। इसमें कहा गया, ''यमन में फंसे 18 भारतीय नाविकों को विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावासों के अथक प्रयासों से वापस लाया गया।'' हालांकि, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है कि नाविक यमन में कितने समय से फंसे हुए थे। रियाद में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर कहा कि भारत के कई सप्ताह लंबे अथक प्रयास के बाद भारतीय नाविक शुक्रवार को अदन पहुंचे। इसने कहा कि ये भारतीय नाविक निस्टुन बंदरगाह पर फंसे हुए थे।

सूडान में युद्ध के कारण 53 लाख लोग हुये विस्थापित

खार्तूम/वार्ता। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद अप्रैल के मध्य से सूडान में युद्ध से लगभग 53 लाख लोग विस्थापित हो गये। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ओसीएचए ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, अप्रैल के बाद से पांचवें महीने में एसएएफ और आरएसएफ के बीच लड़ाई के कारण, लगभग 53 लाख लोग अपने घर छोड़कर सूडान या पड़ोसी देशों में शरण ले चुके हैं। इसमें कहा गया है, सूडान के भीतर, 19 सितंबर तक सभी 18 राज्यों में 3,929 स्थानों पर 42 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। ओसीएचए ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के हवाले से कहा कि इसके अलावा, 10 लाख से अधिक लोग मध्य अफ्रीकी गणराज्य, चाड, मिस्र, इथियोपिया और दक्षिण सूडान सहित पड़ोसी देशों में चले गए हैं।

यूक्रेन ने क्रीमिया के प्रमुख शहर पर मिसाइल हमला किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने शनिवार सुबह रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया के एक प्रमुख शहर सेवस्तोपोल पर मिसाइल हमला किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक दिन पहले, यूक्रेन ने रूस के काला सागर बेड़े के मुख्यालय पर मिसाइल हमला किया था, जिसमें एक सैनिक लापता हो गया और मुख्य इमारत को नुकसान पहुंचा। गवर्नर मिखेल रज्वोझायेव ने सोशल मीडिया पर कहा कि एक घाट के पास नष्ट की गई मिसाइल का मलबा गिरने के बाद सेवस्तोपोल को लगभग एक घंटे के लिए हवाई हमले की चेतावनी पर रखा गया।

सूर्यास्त 24-09-2023 6:14 बजे	सूर्योदय 25-09-2023 6:08 बजे
BSE 66,009.15 (-221.09)	NSE 19,674.25 (-68.10)
सोना 6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 74,997 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

गरिमा हुई सिरे से गायब,
हुई सियासत जाति धर्म की।
कुछ बोल रहे संसद में,
फिक्र नहीं अब श्रेष्ठ कर्म की।
अमर्यादित बोल रहे वे,
लुटिया डूबी लाज शर्म की।
नेताओं को नहीं है चिंता,
घायल होते लोक मर्म की।।

75 प्रतिशत गांव खुले में शौच की बुराई से मुक्त : शेखावत

2025 तक खुले में शौच की बुराई से पूर्ण मुक्ति का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों 4.4 लाख से अधिक गांवों ने खुद को खुले में शौच की बुराई से मुक्त (ओडीएफ प्लस) घोषित कर लिया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण-चरण दो के तहत 2025 तक शत-प्रतिशत गांवों में हर घर शौचायलय और स्वच्छता की सुविधाएं मुहैया करोने की दिशा में यह बड़ी कामयाबी है।

नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में कार्यभार संभालने के बाद से स्वच्छ भारत मिशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और पूरा देश इसके पीछे खड़ा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान में पांच करोड़ लोगों ने भाग लिया है और 2.05 करोड़ से अधिक लोगों ने श्रमदान किया । उन्होंने कहा कि 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल कर लिया है और 4 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी गांवों ने ओडीएफ प्लस मॉडल का दर्जा हासिल कर लिया है।

सरकार द्वारा तय परिभाषा के तहत ओडीएफ प्लस गांव वह है, जिसने ठोस या तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने के साथ-साथ अपनी खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बरकरार रखा है। आज तक, 4.43 लाख से अधिक गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित कर किया है। इसे 2024-25 तक एसबीएम-जी चरण दो के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है।

श्री राधा अष्टमी

शनिवार को मथुरा के श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पुजारी अनुष्ठान करते हुए और श्री राधा अष्टमी उत्सव (देवी राधा का जन्मदिन) मनाते हुए।

मेरी इच्छा है कि काशी का डंका पूरी दुनिया में बजे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी के लोगों को वहां का 'ब्रांड एंबेसडर' बताते हुए शनिवार को कहा कि काशी का डंका पूरी दुनिया में बजना चाहिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्य के 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 के समापन समारोह को भी संबोधित किया और इस समारोह में भाग लेने वालों को पुरस्कृत किया ।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''काशी के बारे में यहां के लोग ही अच्छी तरह से जानते हैं। यहां का हर व्यक्ति, हर परिवार काशी का ब्रांड एंबेसडर है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी हैं कि सभी लोग काशी के बारे में अपनी पहचान को अच्छे से सभी के सामने रख पाएं।'' उन्होंने कहा, 'कोई भी पर्यटन स्थल हो, यात्रा धाम हो, वहां उत्तम गाइड का होना बहुत जरूरी है। वह प्रतिभावान होना चाहिए, उसके पास संपूर्ण जानकारी हो। यही ताकत काशी में होनी चाहिए, आजकल पर्यटक गाइड एक बड़ा रोजगार बन रहा है। क्योंकि पर्यटक सब कुछ समझना चाहता है और इसके लिए वह कीमत भी चुकाने को तैयार रहते हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इसलिए मैं यहां काशी सांसद टूरिस्ट गाइड प्रतियोगिता की आयोजित करने का प्रयास कर रहा हूं। आप गाइड बनकर आएं और लोगों को हर एक स्थल के बारे में जानकारी देकर इनाम पायें। इसके कारण लोगों को पता चलेगा कि इस शहर में गाइड की एक संस्कृति बन रही है। मुझे यह काम इसलिए करना है कि क्योंकि मैं चाहता हूं कि मेरी काशी का डंका पूरी दुनिया में बजे।' उन्होंने कहा, 'आज यहां काशी सांसद खेल प्रतियोगिता के पोर्टल की शुरुआत की गई है। सांसद खेल प्रतियोगिता हो, सांसद सांस्कृतिक महोत्सव हो, काशी में नई परंपराओं की ये तो शुरुआत भर है। अब यहां काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। कोशिश यही है कि काशी के इतिहास, यहां की समृद्ध विरासत, यहां के त्योहार, यहां के खान-पान के प्रति जागरुकता और बढ़े। सांसद ज्ञान प्रतियोगिता भी बनारस के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अलग-अलग स्तर पर आयोजित की जाएगी।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बाबा की कृपा से काशी अब विकास के ऐसे आयाम गढ़ रही है, जो अभूतपूर्व हैं। आज ही मैंने बनारस में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया और उप्र के 16 अटल आवासीय विद्यालयों के लोकार्पण का अवसर भी मिला हैं।' उन्होंने कहा, ''बाबा के आशीर्वाद से काशी का सम्मान आज नई-नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन के जरिए भारत ने पूरी दुनिया में अपना परचम लहराया, लेकिन उसमें काशी की चर्चा विशेष रही है। काशी की सेवा, काशी का स्वाद, काशी की संस्कृति और काशी का संगीत....जी-20 के दौरान जो-जो मेहमान काशी आया वह इसे अपनी यादों में समेट कर साथ ले गया। मैं मानता हूँ कि जी-20 की ये सफलता महादेव के आशीर्वाद से ही संभव हुई है।''

लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में हथियार और गोला बारूद के साथ लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार को यह सूचना मिली थी कि बारामुला के जांबाजपुरा निवासी यासीन अहमद शाह नाम का एक व्यक्ति अपने घर से लापता है और वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा/द रेजिस्टेंस फ्रंट में शामिल हो गया है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन माना जाता है। प्रवक्ता ने कहा कि बारामूला पुलिस थाने में इस सिलसिले में एक मामला दर्ज किया गया और जांच की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक संयुक्त टीम ने शाह को पकड़ लिया। उसके पास से संदिग्ध सामग्री, हथियार और गोलाबारूद बरामद किये गए। उन्होंने बताया कि शाह ने पूछताछ के दौरान अपने एक सहयोगी परवेज अहमद शाह के नाम का खुलासा किया, जो ताकिया वगूरा इलाके का रहने वाला है। प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा बलों ने उसके घर पर छापा मारा और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो हथगोले बरामद किये गए।

एनआईए ने की चंडीगढ़ में खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू की यहां मौजूद संपत्ति शनिवार को जब्त कर ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'संपत्ति जब्त करने संबंधी नोटिस' खालिस्तान समर्थक पन्नू के चंडीगढ़ स्थिति आवास के बाहर लगाया गया। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत की गई है।

नोटिस में कहा गया है, ''चंडीगढ़ के सेक्टर 15-सी के मकान नंबर 2033 का एक चौथाई हिस्सा, एनआईए के मामले में घोषित अपराधी गुरपतवंत सिंह पन्नू के स्वामित्व वाला है, जिसे एनआईए की विशेष अदालत,एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब के आदेशों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1967 की धारा 33 (5) के तहत जब्त किया जाता है। यह सूचना आम जनता के लिए है।''

आतंकवादी संस्थाओं के संरक्षक को 26/11 के अपराधियों के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक काकड़ द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद भारत ने करारा जवाब देते हुए कहा कि दुनिया में सर्वाधिक संख्या में प्रतिबंधित आतंकवादी संस्थाओं को ''पनाह और संरक्षण'' मुहैया कराने वाले देश को ''तकनीकी कुतर्क'' करने के बजाय 26/11 मुंबई हमले के अपराधियों के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए।

काकड़ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 78वें सत्र की आम बहस के दौरान कश्मीर का मामला उठाया था। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने यूएनजीए में भारत के जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कहा, ''पाकिस्तान ने दुनिया में सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संस्थाओं एवं आतंकवादियों को पनाह और संरक्षण मुहैया कराया है। हम पाकिस्तान से मांग करते हैं कि वह तकनीकी कुतर्क में शामिल होने के बजाय मुंबई में हुए उन आतंकवादी हमलों के अपराधियों के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करे, जिनके पीड़ित 15 साल बाद भी न्याय मिलने का इंतजार कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में शांति स्थापित करने के लिए पाकिस्तान को तीन स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है।

राहुल गांधी बतायें, सभी कांग्रेस शासित राज्यों में जातीय सर्वे क्यों नहीं हुए : सुशील

पटना/वार्ता। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने आज कहा कि पूरे देश में जातीय जनगणना की बात करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी बतायें कि आज जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां पिछले चार में जातीय सर्वे क्यों नहीं कराया गया।

मोदी ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि वर्ष 2015 में कांग्रेस की सिद्धरमैया सरकार ने कर्नाटक में जो सर्वे कराया था, उसकी रिपोर्ट अब तक जारी क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने संसद में कहा था कि देश भर में जातीय जनगणना कराना व्यावहारिक कारणों से संभव नहीं।

भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस की पहली नेहरू सरकार ने वर्ष 1951 में नीतिगत निर्णय लिया था कि राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना के दौरान केवल अनुसूचित जाति-जन जाति के आंकड़े जुटाये जा सकते हैं। बाद की सभी केंद्र सरकारों ने यही नीति जारी रखी। उन्होंने कहा कि सेंसस ऐक्ट के अनुसार देश भर में जातीय जनगणना नहीं करायी जा सकती लेकिन राज्य सरकारें जातीय सर्वेक्षण करा सकती हैं।

चीन के होंगझोऊ में एशियाई खेल 2023 का हुआ उद्घाटन

हरमनप्रीत सिंह और लवलिना ने किया भारत का नेतृत्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होंगझोऊ/वार्ता। चीन के होंगझोऊ में एशियाई खेल 2023 का उद्घाटन समारोह शनिवार को भारतीय समयानुसार शाम साढ़े पांच बजे से शुरू हुआ। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने ध्वजवाहक की भूमिका निभाई। एशियाई खेल में भारत के 655 एथलीट 39 खेलों में हिस्सा लेंगे।

इन खेलों का आयोजन पिछले साल 2022 में किया जाना था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इन्हें 2023 के लिए स्थगित कर दिया गया। ऐसे में इस बार पांच साल बाद एशियाई खेलों का आयोजन हो रहा है। एशियाई खेलों में 45 देशों के एथलीट अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचे हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ध्वजवाहक की भूमिका निभाई। दोनों ने परेड में भारतीय दल की अगुआई की। परेड की शुरुआत करने वाला पहला देश अफगानिस्तान था, उसके बाद बहरीन, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, हांगकांग, चीन, भारत, इंडोनेशिया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, इराक थे।

भारत हांगझोउ में 39 स्पर्धाओं के लिए 655 खिलाड़ियों के सबसे बड़े दल के साथ पहुंचा है और उसकी कोशिश इंडोनेशिया 2018 में जीते गए 70 पदकों (16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य) से बेहतर 100 पदक जीतकर बेहतर प्रदर्शन करने पर जोर रहेगा ताकि वह दुनिया को दिखा सके कि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद से देश में खेल ने किस तरह से तेजी से बदलाव आया है।

गौरतलब है कि टोक्यो 2020 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा साल 2018 में आयोजित जकार्ता एशियाई खेलों में ध्वजवाहक थे। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कुल 655 भारतीय एथलीट 39 खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारत बना क्रिकेट की दुनिया का सरताज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/वार्ता। आस्ट्रेलिया को पहले एक दिवसीय मैच में हरा कर भारत ने टी-20 और टेस्ट मैच के बाद वनडे रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। शुक्रवार को खेले गये मैच में भारत ने आस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था और इस जीत के साथ ही टीम ने पाकिस्तान को वनडे रैंकिंग के शीर्ष से नीचे ढकेलते हुये खुद को नम्बर एक पर काबिज कर लिया। क्रिकेट के तीनो प्रारूपों में अव्वल रहने का करिश्मा इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की टीम ने वर्ष 2012 में किया था। मोहाली में ऑस्ट्रेलिया पर पांच विकेट की जीत के बाद फ़िलहाल भारत के पास 116 अंक हैं जबकि पाकिस्तान 115 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गया है।

सितंबर के महीने में भारत, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लगातार शीर्ष स्थान के लिए लड़ाई चलती रही है। एशिया कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद पाकिस्तान ने नंबर 1 रैंकिंग अपने नाम किया था। ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ़्खऊीका में लगातार तीन मैच हारते हुए इस रेस में पिछड़ गए थे। भारत ने पहले एशिया कप फ़ाइनल में श्रीलंका को रौंदा और फिर मोहम्मद शमी की गेंदबाज़ी से प्रेरित ऑस्ट्रेलिया को ऐसे मैच में हराया जहां 1987 के बाद केवल पहली बार उनके लिए शीर्ष छह में चार बल्लेबाज़ों ने अर्धशतक जड़े।

बालोदिया बने नए अध्यक्ष, यादुका बने सचिव

कर्नाटक मारवाड़ी समाज की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सामाजिक संस्था कर्नाटक मारवाड़ी समाज की बैठक में अध्यक्ष आनंद पोदार ने गत 2 वर्षों में किये गए कार्यो की जानकारी दी व सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। सचिव विकास बालोदिया साधारण सभा की कार्यवाही की तथा कोषाध्यक्ष प्रभात यादुका ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी रंजन भावसिंका ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें विकाश बालोदिया को अध्यक्ष व प्रभात यादुका को सचिव पद के लिए चुना गया। तत्पश्चात अध्यक्ष ने अपनी टीम में उपाध्यक्ष प्रवीण तुल्सयान, कोषाध्यक्ष तरुण चांदगोठिया, सहसचिव प्रशांत टिबरेवाल, सहकोषाध्यक्ष मोहित तुल्सयान सहित मनोज पोदार, आनन्द अग्रवाल, गोपी अग्रवाल, रिंकेश बारोलिया, पवन संथालिया, बिमल सरावगी, विजय बंका, अंजनी बंका को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष कांता बंका व सचिव वंदना तुल्सयान भी उपस्थित रहीं। सभा में सभी वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया गया।

दुनिया का सबसे बड़ा सुख संतोष का धन : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जिंदगी को स्वर्ग सरीखे आनंद और मिठास भरी बनाना चाहते हो तो अपने जीवन से पांच दोषों को हमेशा के लिए समाप्त कर दो। वे हैं स्वभाव में पलने वाला गुस्सा, भीतर में पलने वाला अहंकार-अभिमान या ईगो, छल-प्रपंच या माया, लोभ और ईर्ष्या। अभिमान को हटाने विनम्रता को अपना लो। माया को हटाने के लिए मित्रता को अपना लो। लोभ को हटाने के लिए संतोष को अपना लो। संतोष से बड़ा सुख और धन दुनिया में और कुछ होता नहीं है। ईर्ष्या को हटाने सबको अपना मान लो औरों की खुशी में खुश होना और औरों के दुख को बांटना सीख लो।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि हर आदमी को अपने जीवन में अच्छे स्वभाव, अच्छी सोच का मालिक होना ही चाहिए। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि मुंबई, राजगढ़, रतलाम से अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए। कांतिलाल गांधीमुथा, कांतिलाल सोफाडिया, मांगीलाल वेदमुथा ने सभी का स्वागत किया।

'जिनवाणी सुरक्षा प्रदान व दुखों को दूर करती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में पुच्छीसुणं संपुट्ठ जाप का आयोजन गतिमान है। साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं की तीसरी गाथा का संपुष्ट जाप किया गया। साध्वीश्री ने कहा कि गणधर, तीर्थंकर प्रभु से सिर्फ तीन शब्द उप्पनेइवा, धुवेवा, विग्गेवा सुनकर संपूर्ण आगमो को गुंथते है अर्थात रचना करते हैं। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने विवेचन करते हुए कहा कि जैसे समुद्र के अंदर रहा हुआ द्वीप व्यक्ति को सुरक्षित स्थान प्रदान करता है। उसी प्रकार संसार के समस्त दुखी प्राणियों के लिए तीर्थंकर प्रभु द्वारा कही हुई जिनवाणी सुरक्षा प्रदान करती है। दुखों को दूर करवाती है। साधु साध्वी श्रावक श्राविका रूप तीर्थ की स्थापना तीर्थंकर प्रभु ने की थी यही तीर्थ हमें तिराने वाला है। सुधर्मा स्वामी पूच्छीस्सुणं के माध्यम से कहते हैं कि प्रभु परमात्मा के अंदर तीन गुण होते हैं। खेदज्ञ यानी कि संसार की प्रत्येक प्राणी के मन की बात जानने वाले। क्षेत्रज्ञ- तीनों लोक को अपने ज्ञान में देखने वाले। एवं आत्मज्ञ। तीर्थंकरों में संसार के समस्त जीवों के प्रति करुणा की भावना होती है। अहिंसा ही हमारा धर्म है। अहिंसा परमं सुखं, जैसे ही व्यक्ति के अंदर हिंसा के भाव आते हैं वहां पर व्यक्ति को सुख नहीं मिलता है। अहिंसा मित्र। जैसे हमारे मित्र के साथ अहिंसा के भाव होते हैं उसी प्रकार सब जीवों के प्रति दया करुणा और वात्सल्य के भाव होने चाहिए।

साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। उषा श्रीश्रीमाल ने 23 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये। पीपाड़ से आये स्वाध्यायी ललित कोठारी ने भाव व्यक्त कीये। शनिवार को पुच्छिस्सुणं जाप का लाभ दिनेशकुमार रौनककुमार चोपड़ा परिवार ने लिया। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संचालन किया।

आदमी सही धनवान बनता है मन से, न कि पैसे से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने सत्संग की सुरभि में धर्म संदेश देते हुए कहा कि जहां सारी सुविधा है वहां आदमी नहीं जा रहा है। जहां जाने से चंचलता बढ़ती है, जिसको देखने से मन में विजातीय आकर्षण बढ़ता है। वहां के लिए लोगों को धूप में चार घंटे प्रतीक्षा करना पसंद है। लेकिन जहां से जीवन को सुखी बनाने की प्रेरणा मिलती है, सही ढंग से जीने की प्रेरणा मिलती है, कल्याण करने की प्रेरणा मिलती है।

वहां सारी अनुकूलता होने के बाद भी आदमी जाना नहीं चाहता है। धन, जवानी, पद है और प्रतिष्ठा है लेकिन विवेक नहीं है तो बड़ी तेजी के साथ आदमी पतन के रास्ते में जायेगा। दुखी होने और दुखी करने का खास कारण यह है कि समझ सही नहीं होना। विवेक का अभाव है इसलिए सुखी नहीं हो रहे हैं। इसीलिए शांति नहीं नहीं मिल रही है। आदमी सही धनवान बनता है मन से।

धन से जो धनवान होता है वह तो बाहर-बाहर का होता है। धन से सम्पन्न हो जायेगा आदमी, लेकिन सुखी भी हो जायेगा यह कोई जरूरी नहीं है। आदमी धन के अभाव में दुखी नहीं होता है।

मनुष्य जन्म में ही धर्माराधना सम्भव : साध्वी सुलोचनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में क़हा कि परमात्मा ने तो साधना करके अपनी आत्मा को तार लिया लेकिन हमें भी ऐसी ही साधना करके अपनी आत्मा को परमात्मा बनाना है। पर्युषण महापर्व का मुख्य अंग क्षमापना है। हमें जिनसे अपनी बोलचाल बन्द है उनसे पूर्व में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगनी है और क्षमा प्रदान करना है। नगर में अभी तपस्या की बहार आई हुई है। तपस्या आराधना को हमें जीवन पर्यन्त धारण करना है। खान पान के साथ हम जहां भी जाएं वहां हमारी जैनत्व की एक अलग ही पहचान होनी चाहिए। चार भूमियों में पूरा जगत समाहित है। पहली नरक गति की भूमि जहां इतनी वेदना है जहां धर्म का बीज बोना नामुमकिन है। दूसरी तिर्यंच गति की भूमि जहां भी धर्म साधना नहीं हो सकती है क्योंकि वहां रहने की भी जगह समुचित नहीं है। तीसरी देवलोक गति की भूमि जो कि आरस यानि कांच के जैसी है जहां भी धर्माराधना नहीं हो सकती। सिर्फ और सिर्फ मनुष्य गति की भूमि ही उपजाऊ है जहां धर्माराधना की खेती की जा सकती है। हमें आर्य देश में और जैन कुल में जन्म मिला है जहां हमें पुण्य, प्रभु की और प्रतिज्ञा की प्यास को बुझाना है।

साध्वीश्री ने कहा कि पुण्य की प्रकृति में मन में खुशी ही मिलती है। दान, शील, तप और भाव से हम पुण्य उपार्जन कर सकते हैं जिसे सतत चालू रखना है। लेकिन अनुकूलताओं में हम रच पच जाते हैं और धर्म को गौण कर देते हैं। नित्य मात्र एक नवकारसी करने से भी सौ वर्ष की नरक का आयुष्य टल जाता है। साध्वीजी दर्शन वन्दन हेतु मागडी रोड जैन संघ, भायन्दर संघ अध्यक्ष के दीपचन्द ललवाणी, इचलकरंजी जैन खरतरगच्छ संघ, कोट्टूर जैन खरतरगच्छ संघ, अरुण ललवाणी, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री रमेश लुंकड उपस्थित हुए।

'परमात्मा की भक्ति से परमसुख की प्राप्ति होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एलएनपुरम में शांतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी में सान्निध्य चल रहे अरिहंत परमात्मा के जाप व नवग्रह जाप अनुष्ठान में मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि महाप्रभावक अरिहंत परमात्मा का मंत्रजाप एवं उनके गुणगान करने से हमारे कमजोर पड़े हुए ग्रह भी मजबूत बनते है, उनका जो प्रभाव है वो हमें परेशान करते है बार-बार बीमारी अकस्मात के जो भय है उसका भी निवारण परमात्मा की भक्ति एवं परमात्मा के नाम मंत्र के जाप से उसका भी निवारण होता है, क्योंकि परमात्मा के नाम में गजब की शक्ति है इसीलिए कहते है कि मीरा ने भी परमात्मा का नामस्मरण करके जहर भी पीया तो वो भी अमृत बन गया था। हमारे कष्ट भी दूर होते है। परमात्मा को मिलने जाने का अपना कर्तव्य पूर्ण करने का एक अवसर है चैत्यपरिपाटी, जिसका लाभ संघवी विनोदभाई अमित भाई जैन ने लिया।

सहज स्मृति योग

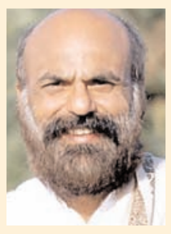

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, किसी साधु संत की वाणी मेरे कानों में पड़ गई जिसमें उन्होंने कहा है कि ' किसी के आशीर्वाद से कुछ नहीं होता।' जिसे सुनकर मुझे भ्रम हो रहा है क्योंकि, मेरे लिए तो आशीर्वचन ही मेरे जीवन का परम सत्य है। कृपा कर मेरा भ्रम दूर करें।

उत्तर: संतों की वाणी अत्यंत गूढ़ होती है, संतों की वाणी के इकहरे अर्थ भर नहीं होते। यह भी तो हो सकता है कि जिनकी भी बात आप कर रहे हैं उन्होंने किसी श्रोता या जिज्ञासु विशेष के यह मानकर चलने से कि, पहले जानबूझकर खूब मनमाना आचरण कर लूँ और फिर किसी तीर्थ धाम में जाकर संतों के चरण पकड़-पकड़ कर या, गुरु से आशीर्वाद लेकर उस पापकर्म के फल से मुक्त हो जाऊँगा। हो सकता है कि उन्होंने उस व्यक्ति विशेष को आचरण और व्यवहार की प्राथमिकता समझाने के लिए उसे सावधान और जाग्रत करने के सद्भाव से ऐसा कहा हो। या फिर आपने उन्हें पूरी तरह से पूरा का पूरा सुना ही न हो। आपकी अपनी निजी आसक्ति और प्रीति आशीर्वचन में होने से आपने उनके केवल इसी एक वाक्य को पकड़ लिया और दुखी हो गए जबकि, आप उन्हें संत भाव से स्वीकार करते हैं गुरु भाव से नहीं। हर शब्द की और उससे उत्पन्न होने वाले भावातीत, भावभूत तथा भावनायुक्त, व्यवहार, विचार और क्रिया की अपनी महिमा होती है और साधु संतों से अधिक शब्द की सहज रहस्यमयी महिमा, उसका परमार्थ और निरर्थकता तीनों, और-कोई यथावत जान भी नहीं पाता। आशीर्वचन की अपार महिमा है। आप जैसे अनेकों के वर्तमान जीवन-प्रमाण और शास्त्र ऐसे उदाहरणों से भरे पड़े हैं इसलिए आपका निश्चिंत रहना उचित है। जिनसे जो सुना हो आपने उनसे उसे ही एक बार फिर सुनो। इस बार वही बात प्रसंग और संदर्भ सहित ठीक से समझ में आ जाएगी।

'जीतो' मैसूरु 'उड़ान' प्रदर्शनी में महिला उद्यमियों ने भरी लम्बी उड़ान

दो दिवसीय प्रदर्शनी में उमड़े ग्राहक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के जीतो मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में महिला विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'उड़ान' का शुभारंभ मुख्य अतिथि आर.गुरु ,महेश शिनॉय, केकेजी जोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, जीतो मैसूरु चैप्टर चेयरमैन कांतिलाल जैन, मैसूरु जीतो लेडीज विंग चेयरपर्सन भावना सालेचा, यूथ विंग चेयरमैन पुनीत श्रीश्रीमाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने फीता काटकर किया। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से लगाई गई इस उड़ान प्रदर्शनी में महिलाओं ने लम्बी उड़ान भरी तथा प्रदर्शनी में करीब 200 स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी में सजावटी समाज, रेडीमेड कपड़े, साड़ी, सलवार सूट, ज्वेलरी, सौंदर्य प्रसाधन, बेडशीटस आदि के स्टालों पर पहले दिन अच्छी भीड़ देखी गई। इसके अलावा मैसूरु,बेंगलूरु के अलावा दिल्ली, चेन्नई से आए व्यापारियों के स्टॉल आकर्षण के केन्द्र बने रहे। महिलाओं व युवतियों ने प्रदर्शनी में जमकर खरीददारी दी।

उदघाटन कार्यक्रम में सभी अतिथियों व प्रायोजकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन, मुख्य सचिव दिलीप जैन, खजांची ओमप्रकाश जैन, जोन संयोजक यश्विन जैन, चन्द्रगुप्त जैन सहित मैसूरु अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष राजेश सालेचा, महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, सहकोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, पीआरओ रमेश नौलखा, सचिव प्रेम पालरेचा, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, उपाध्यक्ष संघवी राजेश सालेचा,मैसूरु लेडीज विंग की चेयरपर्सन भावना सालेचा, मुख्य सचिव रजनी डागलिया, संयोजक मोना भटेवरा,कोषाध्यक्ष सरीता बाघमार, सचिव सपना गाँधी, केकेजीजोन महिला विंग की चेयरपर्सन यस्मा जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित रहे।

'जीतो' महिलाओं द्वारा जेबीएन रेफरल मीट का आयोजन

प्रशिक्षक सीमा मेहता व जय बाफना ने महिलाओं को दिया व्यापारिक प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नॉर्थ की महिला विंग द्वारा राजाजीनगर स्थित कार्यालय में अध्यक्ष बिंदु रायसोनी के नेतृत्व में महिला उद्यमियों के लिये जेबीएन रेफरल मीट का आयोजन किया गया। आयोजन में महिला उद्यमियों के बारे में बोलते हुए इंश्योरेंस अड्डा की संस्थापिका सीमा मेहता ने महिलाओं को घर की जिम्मेदारी के साथ सामंजस्य बैठाते हुए उद्योग में आगे बढ़ने के गुर बताये।

उन्होंने कहा कि कहा कि हर कोई पैसा एवं ब्रांड नाम कमाना चाहता है परंतु एक घरेलू कामकाजी महिला को इसके लिये अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब भी अपने कार्य की प्रस्तुति देनी हो तो तैयारी एकदम दमदार होनी चाहिए तथा अपने कार्य की विशेषताओं को उजागर कर उसकी खूबियों और उपलब्धियों के साथ प्रस्तुत करना सीखें। नई तकनीक के साथ अपने हुनर को आगे बढ़ाते हुए आर्थिक सुदृढ़ता की ओर कदम बढ़ायें।

प्रेसिडेंट ग्रुप के संस्थापक एवं गिरनार इन्वेस्टमेंट मैसूर के निदेशक जय बाफ़ना ने व्यवसाय करते हुए गुडविल पर ध्यान देने योग्य बातों पर प्रजेन्टेशन दिया। उन्होंने कहा कि सही कंपनी का चुनाव कर संभावित ग्राहकों को खोजें और संपर्क करें, अपनी नेतृत्व क्षमता का विकास करें, अपने व्यवसाय की प्रधानता के साथ नेटवर्क बढ़ाये।

बाफ़ना ने सभी को अपने अनुभव को बढ़ाने हेतु सदा क्रियाशील रहते हुए खुद के अनुभव से आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि कार्य की गहराई को जाने व मजबूत नींव के साथ ग्राहकों से जुड़े तथा एक विश्वास क़ायम करते हुए अपने व्यवसाय में नवीनता लाने का प्रयास करते हुए ख़ुद की पहचान बढ़ाये।

जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार इस रेफ़रल मीट में सदस्यों ने मंच पर तीस-तीस सेकंड में अपने व्यवसाय की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम संयोजिका सुष्मिता सेठिया ने संचालन किया व जेबीएन सदस्यता हेतु नियमों की जानकारी दी। सह-संयोजिका तनुजा मेहता ने तकनीकी कार्यभार सम्भाला। सहमंत्री भाविका कोठारी ने प्रशिक्षक सीमा मेहता का परिचय दिया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर कार्यकारिणी की दूसरी बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश गन्ना की अध्यक्षता में द्वितीय कार्यसमिति बैठक तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी सतीश पोरवाड़ ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। सहमंत्री जयंतीलाल गांधी ने प्रथम कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही का वांचन किया।

अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों को सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री कमलेश चोरडिया ने विगत तीन महीने में हुए कार्यों की संक्षिप्त में जानकारी प्रदान की। मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के प्रभारी सुनील मेहता ने अभातेयुप द्वारा निर्देशित ड्राइव के अंतर्गत कॉरपोरेट क्षेत्र में होने वाले 21 कैंपों की जानकारीी देते हुए हर एक के संयोजक की नियुक्ति की।

सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी सतीश पोरवाड़ ने अगले माह होने वाले सीपीएस कार्यशाला के लिए अधिक से अधिक सदस्यों को इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

मंच संचालन तेयुप मंत्री कमलेश चोरड़िया ने किया। सहमंत्री जयंतीलाल गांधी ने आभार व्यक्त किया।

शनिवार को बेंगलूरु में कावेरी आंदोलन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा और बसवराज बोम्मई एवं अन्य नेतागण।

मंड्या में शनिवार को रैयता हितरक्षण समिति द्वारा बुलाए गए 'मंड्या बंद' के दौरान बंद दुकानें और बाजार।

कावेरी का पानी छोड़े जाने का मुद्दा

मंड्या में किसानों, कन्नड़ समर्थक संगठनों ने किया प्रदर्शन

तमिलनाडु की एजेंट है कर्नाटक की कांग्रेस सरकार : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मंड्या। कर्नाटक में स्थित बांधों से तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ कई किसान संघों और कन्नड़ समर्थक संगठनों के 'बंद' के आह्वान पर शनिवार को मंड्या जिले में ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार कर्नाटक पड़ोसी राज्य को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ रहा है।

मंड्या के साथ नाइंसाफी होने के नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने यहां मार्च निकाला। मंड्या में ही कावेरी नदी पर कृष्णराजा सागर (केआरएस) बांध है। प्रदर्शनकारियों ने लोगों, खासकर दुकानदारों और पेट्रोल एवं डीजल विक्रेताओं तथा अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के मालिकों से पूर्ण बंद रखकर इसमें सहयोग करने की अपील की।

इस अपील पर ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। शुरू में जो भी दुकानें खुली थीं, वे भी कार्यकर्ताओं की अपील के बाद बंद हो गयीं। बड़ा प्रदर्शन शहर में संजय गोलचक्कर पर हुआ, जहां एक बाइक रैली के बाद मंडया रक्षणा वेदिके के सदस्य पहुंचे। उन्होंने मार्च निकाला, नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बेंगलूरु में प्रदर्शन किया तथा राज्य सरकार पर कावेरी जल बंटवारे के विषय पर विफल रहने का आरोप लगाया।

पूर्व मुख्यमंत्रियों बी एस येडीयुरप्पा, बसवराज बोम्मई, पूर्व मंत्रियों, वर्तमान विधायकों तथा कई अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मैसूर बैंक गोलचक्कर पर प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उनके हाथों में तख्तियां थी और वे नारे लगा रहे थे कि कावेरी का पानी कर्नाटक का है। बाद में नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

येडीयुरप्पा ने पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर अनुरोध करना चाहिए कि वह जमीनी स्थिति तथा बांध में जलस्तर को देखने के लिए एक विशेषज्ञ दल भेजे। उन्होंने कहा, वर्तमान स्थिति में, जब हम बेंगलूरु और मैसूरु को पेयजल देने में असमर्थ हैं तो हम पानी छोड़ने की स्थिति में भी नहीं हैं।

येडीयुरप्पा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (एस) के नेता एच डी कुमारस्वामी ने कावेरी मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत की है। जद (एस) ने मंड्या बंद का समर्थन किया है। कुमारस्वामी शनिवार को केआरएस बांध पर गये तथा उन्होंने प्रदर्शनकारी किसानों और कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं से भेंट की। कावेरी मुद्दे पर नयी दिल्ली में अमित शाह से अपनी मुलाकात के बारे में कुमारस्वामी ने कहा, यह बहुत ही संवदेनशील मुद्दा है। मैंने उन्हें हमारे (कर्नाटक के) साथ हुई नाइंसाफी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच कोई समन्वय नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बेंगलूरु शहर की पेयजल आवश्यकताओं के संबंध में उच्चतम न्यायालय के समक्ष उचित तरीके से पक्ष रखने में विफल रही। उन्होंने कहा कि मंड्या जिले सहित कर्नाटक के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति के बावजूद तमिलनाडु को पानी छोड़ने से ब्रांड बेंगलूरु की छवि प्रभावित होगी। बोम्मई ने किसानों की फसल के नुकसान के लिए 25,000 रुपये प्रति एकड़ के वितरण की भी मांग की। वहीं भाजपा नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल ने आशंका जताई कि कावेरी बेसिन के लोग अन्य हिस्सों में पलायन कर जाएंगे।

कर्नाटक के हितों की रक्षा करने में कांग्रेस सरकार के विफल रहने के भाजपा एवं जद(एस) के आरोपों पर उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के हितों की रक्षा करने के लिए यथासंभव प्रयास कर रही है।

26 को बेंगलूरु बंद का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आम आदमी पार्टी (आप), कर्नाटक जल समरक्षण समिति (केजेएसएस) तथा प्रो-कन्नड संगठनों ने कावेरी जल विवाद के मुद्दे पर मंगलवार को बेंगलूरु बंद का आह्वान किया है। राज्य में पेयजल संकट की वास्तविकता को जाने बिना तमिलनाडु को पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश पर चर्चा करने के लिए आज यहां के फ्रीडम पार्क में कावेरी विवाद पर एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई।

आप के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष एम चंद्रु ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को इस मुद्दे पर तत्काल विधानसभा की बैठक बुलानी चाहिए और तमिलनाडु को कावेरी का जल छोड़ना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी मुकेदतु परियोजना शुरू करने का वादा करके प्रदेश में सत्ता में आई, लेकिन उन्होंने क्या कहा ?मेकादतु परियोजना क्यों नहीं शुरू हुयीं। इसके बावजूद आप हमसे सवाल पूछ रहे हैं कि कहां थे हम। विस का सत्र तत्काल बुलाए तथा तमिलनाडु के जल नहीं छोड़ने का फैसला लें।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के कुछ हिस्सों में पीने के पानी की समस्याओं के संबंध में मौजूदा जमीनी हकीकत को समझाते हुए शीर्ष अदालत के समक्ष उचित दलीलें पेश करें। उन्होंने कहा, न्यायालय आपको फटकार लगा सकता है।

आपको जेल हो सकती है। राज्य के हित में इसके लिए तैयार क्यों न हों? अगर तमिलनाडु को पानी छोड़ा गया तो निकट भविष्य में बेंगलूरु में पीने के पानी की कमी हो जाएगी। तीन दल जो कई वर्षों तक सत्ता में रहे, समस्या का स्थायी समाधान खोजने में विफल रहे। क्या आपके पास राज्य के हितों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता नहीं है?

कावेरी जल विवाद को लेकर पूरे कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। तमिलनाडु को 28 सितंबर तक पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के आदेश के विरोध में कर्नाटक के किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों के नेतृत्व में पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन जारी है।

प्रदर्शनकारियों ने सीडब्ल्यूएमए के आदेश के कारण कर्नाटक के लोगों के साथ हुए अन्याय' के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर नारे लगाने के अलावा जमीन पर लेट गए और मानव श्रृंखला भी बनाई। कर्नाटक रक्षणा वेदिके ने क्रमशः गुरुवार और शुक्रवार को बेंगलूरु और उडुप्पी में प्रदर्शन किया।

उन्होंने मैसूरु, चामराजनगर और रामानगर सहित अन्य कावेरी नदी बेसिन जिलों में भी विरोध प्रदर्शन किया। चित्रदुर्गा, बेल्लारी, दावणगेरे, कोप्पल और विजयपुरा जिलों में भी विरोध प्रदर्शन हुए जहां प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए, सड़क जाम की, पुतले और टायर जलाए।

प्रवीण शेट्टी के नेतृत्ववाले कर्नाटक रक्षणा वेदिके के कार्यकर्ताओं ने केआर पुरम में राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। बाद में उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कुछ कन्नड़ संगठनों ने मांड्या में टीके हल्ली पंपिंग स्टेशन को भी बंद कर दिया जो पूरे बेंगलूरु शहर को पानी की आपूर्ति करता है।

ताजा विरोध प्रदर्शन उच्चतम न्यायालय द्वारा सीडब्ल्यूएमए और सीडब्ल्यूआरसी के आदेशों में हस्तक्षेप करने से इनकार करने के बाद शुरू हुआ, जिसमें कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था। मंड्या में रैयत हितरक्षण समिति ने भी बंद का आह्वान किया था। इसका असर आज वाहनों की आवाजाही और कारोबार समेत दैनिक गतिविधियों पर पड़ा।

इस मुद्दे पर बोलते हुए राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी कि अगर वे गैरकानूनी गतिविधि में शामिल हुए और लोगों को असुविधा हुई तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि मंड्या में केआरएस बांध के पास भारी पुलिस बंदोबस्त की व्यवस्था की गई है और यह किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बेंगलूरु में तमिल लोगों की आबादी वाले इलाकों में भी भारी पुलिस बंदोबस्त की व्यवस्था की गई है। शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि तमिलनाडु में पंजीकृत वाहनों पर पथराव को रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा कदम और सावधानियां बरती गई हैं।

स्टालिन ने कैग रिपोर्ट पर 'चुप्पी' को लेकर मोदी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्ट में उल्लेखित 'अनियमितताओं' पर जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों पर शनिवार को निशाना साधा। स्टालिन ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सफाया होना चाहिए। उन्होंने लोगों से भाजपा की सांप्रदायिक, विभाजनकारी, सत्तावादी और कॉर्पोरेट-संचालित 'राजनीति' को समाप्त करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

स्टालिन ने स्पीकिंग फॉर इंडिया पॉडकास्ट की दूसरी कड़ी में कैग रिपोर्ट को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया। उन्होंने कहा, 'मैं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) को भ्रष्ट लोगों का गठबंधन बताने वाले मोदी से पूछता हूं कि कैग रिपोर्ट आपके शासन में भ्रष्टाचार को उजागर करती है। क्या आपने पढ़ा है कि रिपोर्ट क्या कहती है? क्या आपने विशेष सत्र में इस पर चर्चा की? क्या आपने जवाब भी दिया?'

पॉडकास्ट का शीर्षक, 7.5 लाख करोड़ रुपये की अनियमितताओं को उजागर करने वाली कैग रिपोर्ट और प्रधानमंत्री की 'चुप्पी' था। द्रमुक प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार 'पांच सी' से बनी है, जो कम्युनलिज्म (सांप्रदायिकता), करप्शन (भ्रष्टाचार), कॉर्पोरेट कैपिटलिज्म (कॉर्पोरेट पूंजीवाद), चीटिंग (धोखाधड़ी) और कैरेक्टर एसैसिनेशन (चरित्र हनन) है। उन्होंने कहा कि हालांकि, भाजपा प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से इसे छिपाने में कामयाब रही है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नेता अब भाजपा को बेनकाब कर रहे हैं।

स्टालिन ने कहा, 'हम यह राजनीति के लिए नहीं कह रहे हैं। कैग रिपोर्ट साबित करती है कि हम वास्तविक डेटा के आधार पर तथ्यात्मक अंतरदृष्टि साझा कर रहे थे।' उन्होंने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए अयोध्या विकास परियोजना से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक 7.5 लाख करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप लगाया।

स्टालिन ने कहा, 'अभी तक न तो प्रधानमंत्री और न ही संबंधित केंद्रीय मंत्रियों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया दी है। वे जवाब दे भी नहीं सकते। यही कारण है कि मोदी लोगों का ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की राजनीति करते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि देश के लोगों को एहसास हो गया है कि मोदी गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

स्टालिन ने कहा कि इसलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूरी तरह से हराना होगा और लोगों को पार्टी की सांप्रदायिक, विभाजनकारी, सत्तावादी और कॉर्पोरेट-संचालित राजनीति को समाप्त करने के लिए एकजुट होना होगा। कैग रिपोर्ट पर विस्तार से बताते हुए स्टालिन ने कहा कि जहां तक अयोध्या परियोजना का संबंध है, इससे (कैग रिपोर्ट से) पता चला है कि भाजपा एक भ्रष्ट पार्टी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सभी परियोजनाओं का नाम ऐसे शब्दों का उपयोग करके रखते हैं, जिनका आम लोग उच्चारण भी नहीं कर सकते और ऐसा इसलिए किया जाता है, ताकि कोई यह पता न लगा सके कि वास्तव में क्या चल रहा है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि स्वदेश दर्शन परियोजना में कैग को करोड़ों रुपये की अनियमितताएं मिली हैं, जिससे प्रस्तावित ठेकों में गड़बड़ी का खुलासा हुआ है।

कांग्रेस ने कर्नाटक की 28 लोकसभा सीट के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

बेंगलूरु। कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने राज्य की सभी 28 लोकसभा सीट के लिए शनिवार को पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जो 2024 के आम चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों की विस्तृत जानकारी जमा करेंगे। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में राज्य के उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा मंत्रियों को पर्यवेक्षक के तौर पर नियुक्त किया है जो अपने तय निर्वाचन क्षेत्र में जाएंगे और नेताओं से चर्चा करेंगे, बैठक करेंगे और संभावित उम्मीदवार की रिपोर्ट कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमिटी को देंगे। शिवकुमार कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष पद का भी कार्यभार संभाल रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक प्रियंक खरगे को बागलकोट सीट का, एन एस बोसेराजू को बेंगलूरु मध्य का, डॉ.जी परमेश्वरा को बेंगलूरु उत्तर का, के. वेंकटेश को बेंगलूरु ग्रामीण का, डॉ.शरण प्रकाश पाटिल को बेंगलूरु दक्षिण का, डॉ.शिवराज तंगदागी को बेलगावी का, सतीश जरकीहोली को विजयपुरा का, बी जेड जमीर अहमद खान को चिकबल्लापुर का, लक्ष्मी हेब्बलकर को धारवाड़ का, मंकल वैद्य को उडुपी-चिक्कमगलुरु का और के एस राजन्ना को शिवमोगा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

पिछले लोकसभा चुनाव (2019) में कर्नाटक की 28 सीट में से 25 पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत दर्ज की जबकि गठबंधन में लड़ी कांग्रेस और जनता दल एस(जदएस) को एक-एक सीट मिली थी।

दौरा

शनिवार को मंड्या के केआरएस बांध का दौरा जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने किया।

ग्रामीण खेल

कोयम्बटूर के ईशा योग फाउन्डेशन में शनिवार को ग्रामीण खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें भारत के प्रमुख खेल कब्बड़ी, थ्रो बॉल, वॉलबॉल आदि का शुभारंभ केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठागुर एवं पूर्व हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लाई और ईशा फाउन्डेशन के

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. 26/2023 दिनांक: 20.09.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:
संक्षेप में विवरण: बिना इंसुलेटेड कैडमियम कॉपर कैटेनरी तार (19/2.10 मिमी) 65 वर्ग मिमी। आरडीएसओ विनिर्देश संख्या TI/SPEC/OHE/CAT (Cu-Cd)/0971 के अनुरूप या नवीनतम।
(निविदा संख्या L8236428) (मात्रा: 6.9 किलोमीटर)
बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2023 की 10:30 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक
बेंगलुरु
PUB/391/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

रेल पहिया कारखाना
यलहंका, बेंगलुरू - 560 064
वेबसाईट: www.rwf.indianrailways.gov.in
ई-निविदा सूचना सं.: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2023-24/09 दिनांक: 22.09.2023
ई-निविदा:- भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य यांत्रिकी अभियंता नीचे दिये गये कार्य के लिए वेबसाइट http://www.ireps.gov.in (Works) के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक निविदा आमंत्रित करते हैं

क्र.सं.	निविदा सं. व कार्य का विवरण
1	आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2023-24/09 दिनांक 22.09.2023, कार्य का नाम: आरडब्ल्यूएफ के स्टील मेल्ट शॉप में सेकेण्डरी फ्यूम एक्सट्रेक्शन सिस्टम का जरूरत आधारित रखरखाव, अनुमानित लागत: रु. 6574867.96, धरोहर जमा राशि: रु. 131500.00, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 16.10.2023 को 15.30 बजे, पूर्णता अवधि: 24 माह।

यह निविदा सूचना हमारी वेबसाइट www.rwf.indianrailways.gov.in पर देखी जा सकती है।
डिप्टी सीएमई/डब्ल्यूएसएम

खरगे, राहुल गांधी ने कांग्रेस के नए कार्यालय के भवन की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए मुख्यालय के भवन की आधारशिला रखी और शिलान्यास की पट्टिका का अनावरण किया। कांग्रेस का यह कार्यालय शहर के मानसरोवर इलाके में बनाया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि इसकी प्रस्तावित इमारत चार मंजिला होगी। डोटासरा ने कहा, 'मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस के नए कार्यालय भवन की आधारशिला रखी।'

इस कार्यक्रम के बाद खरगे और राहुल गांधी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया जिसमें पार्टी के राज्य से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता शामिल हुए।

कांग्रेस कार्यकर्ता को मजबूत करना जरूरी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की आंख, कान बताते हुए उन्हें मजबूत करने पर जोर दिया। इसके साथ ही शनिवार का उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कहती है वही करके दिखाती है। खरगे यहां जयपुर में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, पार्टी के कार्यकर्ता हमारी आंख और कान हैं.. हमको मजबूत करने वाले हाथ हैं इसलिये कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मजबूत करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे मतदाताओं के साथ लगातार संपर्क रखें, उनके सवालों का जवाब दें, विपक्षियों द्वारा फैलाई जा रही झूठी बातों की काट करें तथा अगर कोई साथी नाराज है तो उसे मनाने की कोशिश करें। राज्य की कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि 2018 में सरकार ने जन घोषणापत्र में जो वादे किए थे, उन्हें केवल पूरा नहीं किया बल्कि उससे एक कदम आगे बढ़कर सभी वर्गों को कुछ न कुछ दिया।

उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी की देन है.. पार्टी जो कहती है.. वहीं करके दिखाती है... आपको हमने जो वादा किया था.. हमारे मुख्यमंत्री, विधायकों और मंत्रियों ने मिलकर वादे पूरे किये.. बल्कि ज्यादा भी दिया।

उन्होंने कहा कि यह एक दूसरे से रूठने का वक्त नहीं है। यह देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाने का वक्त है। इसलिये हम सबको जागना है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ही नहीं लड़ रहे... अगर कांग्रेस का एक उम्मीदवार है तो मोदी जी हमारे खिलाफ दो तीन उम्मीदवार खड़ा कर देते हैं.. एक तो भाजपा का उम्मीदवार, दूसरा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का, तीसरा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का, चौथा आयकर विभाग का उम्मीदवार..। इन सभी को मात देकर हमें जीतना है।

महिला आरक्षण विधेयक का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, यह विधेयक हम लेकर आए थे... जब सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह महिला आरक्षण विधेयक लाए तो तब इसका विरोध किसने किया.. भाजपा ने। इससे पहले राजीव गांधी विधेयक लाए तो तब विरोध किसने किया.. भाजपा ने.. ऐसे में इनकी न तो नियत साफ है.. न ही नीति सही है। कार्यक्रम को कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी संबोधित किया।

जातिगत जनगणना से डरते क्यों हैं प्रधानमंत्री मोदी? : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की वकालत करते हुए शनिवार को कहा कि देश के प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से डरते क्यों हैं? उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भागीदारी देने का काम बिना जातिगत जनगणना के नहीं हो सकता। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को जातिगत जनगणना के आंकड़े देश के सामने रखने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि महिला आरक्षण को आज ही लागू किया जा सकता है लेकिन केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार परिसीमन व नयी जनगणना का बहाना बनाकर इसे टालना चाहती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि महिला आरक्षण आज ही लागू हो।

राहुल गांधी ने जयपुर में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अगर हम ओबीसी की भागीदारी की बात करते हैं तो बिना जातिगत जनगणना के ऐसा नहीं किया जा सकता है। अगर प्रधानमंत्री 24 घंटे ओबीसी की बात करते हैं... उनके सम्मान की बात करते हैं... तो फिर प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी अपने अगले भाषण में आप हिंदुस्तान को बता दीजिए कि कांग्रेस पार्टी ने जातिगत जनगणना करवाई थी और आंकड़े आपके पास हैं। उन आंकड़ों को देश के सामने रख दीजिए। जनता को दिखा दीजिए और अगली जनगणना आप जातिगत आधार पर कराएं। ओबीसी का अपमान मत कीजिए और उन्हें धोखा मत दीजिए।

राहुल गांधी ने कहा, आप देखना कि नरेन्द्र मोदी जी आने वाले समय में अपने भाषण में ओबीसी जनगणना पर एक शब्द नहीं बोल पाएंगे... आपके सामने आंकड़े नहीं रख पाएंगे...। उन्होंने कहा, शायद देश और ओबीसी वर्ग के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि इस देश में ओबीसी, दलित व आदिवासी कितने हैं किस समुदाय के कितने लोग हैं। इस सवाल का जवाब सिर्फ जातिगत जनगणना से मिल सकता है। जैसे ही मैंने संसद में जातिगत जनगणना की बात की तो भाजपा के नेता, मंत्री सब चिल्लाने लगे और मेरी आवाज को दबाने की कोशिश की।

कांग्रेस नेता ने महिला आरक्षण को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा के लोग कहते हैं कि महिला आरक्षण लागू करने से पहले नयी जनगणना और नए परिसीमन की जरूरत है। यह सच नहीं है। महिला आरक्षण को लागू करने के लिए, विधानसभा और लोकसभा की 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं को आज ही जा सकती हैं। मगर इन्होंने बहाना बनाया है... ये चाहते हैं कि महिला आरक्षण दस साल में लागू हो।

उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि महिला आरक्षण आज ही लागू हो और ओबीसी महिलाओं को महिला आरक्षण का फायदा मिले। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण संबंधी विधेयक का हमने पूरा समर्थन किया है। राजीव गांधी जी पंचायती राज में महिला आरक्षण लाए थे।

राहुल ने कहा कि देश में भाजपा व कांग्रेस पार्टी में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। रणथंबोर का जिक्र करते हुए उन्होंने सामने बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा, यहां मैंने देखा है कि हजारों शेर एक साथ शांति से बैठे हैं। कोई नफरत का बाजार नहीं है मोहब्बत की दुकान है। कोई अहंकार और नफरत नहीं है... मोहब्बत है, इज्जत है, प्यार है। ये फर्क है... भाजपा और कांग्रेस पार्टी में विचारधारा में है। राज्य सरकार द्वारा बड़ी संख्या में अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने जाने की चर्चा करते हुए राहुल ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष कर कहा कि संसद में अंग्रेजी के विरोध में भाषण देने वाले भाजपा नेताओं के बच्चे अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ते हैं। राहुल ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, किसानों की कर्जमाफी सहित अनेक पहलों का जिक्र किया और कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार ने आपसे झूठे वादे नहीं किए। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य नेता मौजूद रहे। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

राहुल गांधी ने की स्कूटी की सवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जयपुर के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान महारानी कॉलेज में एक कार्यक्रम में भाग लिया और छात्राओं के साथ संवाद किया।

कांग्रेस नेता शनिवार दोपहर महारानी कॉलेज पहुंचे और प्राचार्य ने उनका स्वागत किया। वह छात्राओं के साथ संक्षिप्त संवाद के बाद हेलमेट लगाकर एक स्कूटी पर बैठे। स्कूटी को एक युवती चला रही थी। सुरक्षा काफिले के बीच उन्होंने कुछ दूर तक स्कूटी पर सफर किया। गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आज जयपुर के मानसरोवर इलाके में कांग्रेस के प्रस्तावित प्रदेश कार्यालय की आधारशिला रखेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

खरगे ने जयपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के बूथ से लेकर राज्य स्तर तक के कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम यहां रखा गया है।

दो कांस्टेबल 4 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर चतुर्थ इकाई ने जवाहर सर्किल थाने के दो कांस्टेबल को चार हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इसमें एक महिला कांस्टेबल हैं। परिवादी के खिलाफ दर्ज मामले के निस्तारण को लेकर रिश्वत ली गई। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि जयपुर नगर में एसीबी की चतुर्थ इकाई को परिवादी ने रिश्वत मांगकर परेशान करने की शिकायत की थी।

परिवादी ने शिकायत में बताया कि उसके खिलाफ दर्ज मामले में राजीनामा होने के बाद मामले का निस्तारण करने को लेकर कांस्टेबल वेदप्रकाश एवं

श्रीमती संगीता ने पांच हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। घूस नहीं देने पर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

इस पर एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि को सुपरविजन में एसीबी जयपुर नगर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलराम सिंह मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। सीआई श्रीमती रजनी मीणा ने मय टीम के साथ दोनों कांस्टेबल को कांस्टेबल श्रीमती संगीता को 3 हजार रुपए व वेदप्रकाश को एक हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

गुरू और गौ का भारतीय संस्कृति में अहम स्थान है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति और समाज में गुरु और गाय का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। गाय भारतीय संस्कृति में पूजनीय है। हमारे देश में भगवान कृष्ण और भगवान शंकर ने नंदिनी और नन्दी को महत्व देकर गौवंश को अहम स्थान दिया है। राज्यपाल शनिवार को पाली में रूप रजत विहार में रूप रजत विशिष्ट अथिति गृह एवं वाचनालय के उदघाटन अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी जीवों के कल्याण में मानव मात्र का कल्याण निहित है । उन्होंने उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि संत- महात्माओं के चिंतन को आगे बढ़ाएं और उनके सेवा संकल्पों से समाज को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य बनने का अर्थ मानवीय मूल्यों से ओत- प्रोत व्यक्तित्व है। मिश्र ने कहा कि सभी जीवों के कल्याण में मानव मात्र का कल्याण निहित है, यही सनातन है।

संविधान की प्रस्तावना व मूल कर्तव्यों का वाचन किया उन्होंने कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया तथा उपस्थित भामाशाहों को सम्मानित भी किया।

इससे पहले पाली आगमन पर राज्यपाल कलराज मिश्र को हेलीपैड पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया एवं जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत व आगवानी की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, विधायक पाली ज्ञानचंद पारख उपस्थित रहे।

प्रदेश की सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में अब साप्ताहिक टाइम टेबल से चलेगी स्मार्ट क्लासेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में सब्जेक्ट टीचर्स के पद रिक्त होने पर भी सभी विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लासेज में मिशन ज्ञान के ई-लेक्चर्स के माध्यम से एडवांस साप्ताहिक टाइम टेबल बनाकर प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार तक का पढ़ाई कराई जाएगी। वहीं हर सप्ताह सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को इन स्कूलों में प्रातः 8 से 9.30 बजे तक रेमेडियल क्लासेज भी लगाई जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है।

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शनिवार को जयपुर में शिक्षा संकुल से प्रदेश में डिजिटल शिक्षा नवाचारों पर आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) से जुड़े प्रदेशभर के शिक्षा अधिकारियों सीनियर सैकेंडरी स्कूल के संस्था प्रधानों और शिक्षकों से मिशन स्टार्ट और ई-एजुकेशन नवाचारों पर विस्तृत संवाद करते हुए इस बारे में विशेष निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि शाला दर्पण पोर्टल पर स्मार्ट क्लासेज के संचालन की मॉनिटरिंग के लिए विशेष मॉड्यूल बनाया गया है, इस पर सीनियर सैकेंडरी स्कूल के संस्था प्रधानों को प्रति सप्ताह का टाइम टेबल बनाकर एडवांस में अपलोड करना होगा। सभी संयुक्त निदेशकों, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयकों सहित सम्बंधित अधिकारियों को ई-एजुकेशन नवाचारों से जुड़ी हर गतिविधि की सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

जैन ने कहा कि स्कूलों में 9वीं से 12वीं कक्षा के विषय अध्यापक उपलब्ध नहीं होने पर भी ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर स्मार्ट क्लासेज के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन कराने के लिए मिशन स्टार्ट के तहत योजनाबद्ध तरीके से व्यापक तैयारियां की गई है। जिन स्कूलों में कम्प्यूटर, स्मार्ट टीवी और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, वहां आनलाइन मोड पर मिशन ज्ञान के ई-लेक्चर्स से पढ़ाई कराई जाएगी। वहीं इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या वाले क्षेत्रों में भी बिना किसी रूकावट के आफलाइन मोड पर नियमित तौर स्मार्ट क्लासेज संचालन के लिए हार्ड ड्राइव में मिशन ज्ञान के 9वीं से 12वीं तक के लेक्चर फीड करते हुए स्कूलों तक पहुंचाए जा रहे है।

आभार

जयपुर में शनिवार को संसद में नारी शक्ति वंदन बिल पारित होने पर प्रदेश महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी से मुलाकात कर खुशी जताई और केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार जताया।

बारां में मादक पदार्थ के तस्करों ने पुलिसकर्मी को पहले गोली मारी, फिर कार से कुचला

कोटा। राजस्थान के बारां जिले के वन क्षेत्र में जांच चौकी पर मादक पदार्थ तस्करों को रोकने की कोशिश करने पर राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल को पहले गोली मारी गई और इसके बाद उसे कार से कई बार कुचला गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि तस्करों ने कांस्टेबल सुजान सिंह को उनके कमर के ऊपरी हिस्से में गोली मार दी और तीन बार गाड़ी से कुचला। घटना में सिंह के पैरों और गर्दन के हिस्से में चोटें आईं हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह पास की पुलिस टीम को अलर्ट कर दिया। सारथल थाना के प्रभारी महावीर किराड ने बृहस्पतिवार रात हुई इस घटना का विवरण देते हुए कहा कि टीम को आते देख तस्कर अपना वाहन छोड़कर भाग गए, जिसमें से 241 किलोग्राम चूरा-पोस्ता जब्त किया गया।

किराड ने कहा कि घायल कांस्टेबल का एकलेरा शहर के एक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

नारी शक्ति का प्रवाह महिला विरोधी सरकार को बहा ले जाएगा : वसुन्धरा

जयपुर। पूर्व सीएम श्रीमती वसुन्धरा राजे ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने महिला आरक्षण बिल के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि मातृशक्ति की भागीदारी के बिना किसी भी राष्ट्र के नव निर्माण की कल्पना अधूरी है। वे शनिवार को अपने सरकारी आवास पर प्रदेश भर से आई महिलाओं से रक्षा सूत्र बंधावा रही थी। उन्होंने कहा कि यहाँ मौजूद महिलाओं का जोश देख कर यह तय है कि नारी शक्ति का यह प्रवाह राजस्थान की महिला विरोधी कांग्रेस सरकार को बहा कर ले जाएगा।

वे बोली रक्षासूत्र यूँ तो कच्चा धागा है,पर मज़बूत और अटूट है। मेरे लिए सुरक्षा कवच है। इसमें राजस्थान की संपूर्ण महिलाओं की शक्ति है जो मुझे हर मुश्किल को पार करने का हौसला देगा। प्रदेशवासियों की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

सरकार के खिलाफ कोई लहर नहीं, बेमिसाल काम किया : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने अपने मौजूदा कार्यकाल में बेमिसाल काम किया है और उन्होंने दावा किया कि सरकार के खिलाफ कोई लहर नहीं है। गहलोत यहां मानसरोवर में पार्टी के कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारे लिए गर्व की बात है कि अपनी उपलब्धियों से राजस्थान पूरे देश में चर्चा में आ गया है। पहली बार किसी सरकार के खिलाफ कोई लहर नहीं है। मुझे गर्व है कि सरकार ने जो काम किए वे बेमिसाल हैं। हमने हर परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, किसी भी कीमत पर हमारी सरकार दोबारा सत्ता में आए यह हमारा संकल्प होना चाहिए। हमने वादे निभाए हैं। तमाम मतभेद भुला दें क्योंकि यह देश का सवाल है। राजस्थान विधानसभा में जीत देश को एक संदेश देगी। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी और कहा कि देश का मिजाज ऐसा बना है कि जो खेलेगा वही खिलेगा।

हर हर महादेव के नारों के साथ प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में अपने भाषण की शुरुआत की और कहा, ''आज फिर से बनारस आवे क मौका मिलल ह, जौन आनन्द बनारस में मिलल ओकर व्याख्या असंभव है।'' (आज फिर से बनारस आने का मौका मिला है। जो आनंद बनासर में मिला उसकी व्याख्या असंभव है ।) उन्होंने कहा, ''आज मैं एक ऐसे दिन काशी आया हूं, जब चंद्रमा के शिवशक्ति प्वाइंट पर पहुंचने का भारत का एक महीना पूरा हो रहा है । शिवशक्ति यानि वह स्थान जहां बीते माह की 23 तारीख को हमारा चंद्रयान लैंड हुआ था । एक शिवशक्ति का स्थान चंद्रमा पर है और दूसरा शिवशक्ति का स्थान ये मेरी काशी में है!' मोदी ने कहा, ''आज शिवशक्ति के स्थान से शिवशक्ति के उस स्थान पर भारत की विजय की मैं फिर से बधाई देता हूं।'' उमड़ी भीड़ को बार-बार 'मेरे परिवारजनों' के संबोधन से संबोधित करते हुए कहा, ''जिस स्थान पर हम सब एकत्र हुए हैं, वह एक पावन स्थल जैसा है। यह स्थान माता विंध्यधाम और काशी नगरी को जोड़ने वाले रास्ते का एक पड़ाव है। यहां से कुछ दूर पर भारतीय लोकतंत्र के प्रखर पुरुष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजनारायण जी का गांव है।' भावनात्मक रूप से समाजवादी नेता को याद करते हुए मोदी ने कहा, 'मैं इस धरती से आदरणीय राजनारायण जी (1977 में जिन्होंने रायबरेली में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पराजित किया था) और उनकी जन्म भूमि को सिर झुकाकर प्रणाम करता हूं।'

प्रधानमंत्री ने उप्र के 16 अटल विद्यालयों का किया लोकार्पण

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के 16 अटल आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण किया। इनका निर्माण लगभग 1,115 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अटल आवासीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से संवाद भी किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे । प्रत्येक विद्यालय का निर्माण लगभग 10 से 15 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। छात्रों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए यहां खेल के मैदान, मनोरंजन गतिविधियों के लिए क्षेत्र, एक सभागार, छात्रावास परिसर, मेस और कर्मचारियों के लिए आवासीय फ्लैट की सुविधा भी दी गई है। प्रत्येक विद्यालय में लगभग एक हजार छात्र पढ़ सकेंगे। इनका निर्माण विशेष रूप से मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और कोविड-19 महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है।

दानिश अली के अशोभनीय आचरण की भी जांच की जाए : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद दानिश अली के 'अशोभनीय' आचरण और टिप्पणियों की भी जांच करनी चाहिए। अली के खिलाफ सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी ने हाल में लोकसभा में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

दुबे ने बिधूड़ी की टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि कोई भी सभ्य समाज उन्हें सही नहीं ठहरा सकता। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को दानिश अली की अशोभनीय टिप्पणियों और आचरण की भी जांच करनी चाहिए। लोकसभा के नियमों के तहत किसी सांसद को आवंटित समय के दौरान उनके बोलते वक्त टोकना, बैठे-बैठे बोलना और लगातार टीका-टिप्पणी करने के लिए भी सजा का प्रावधान है।'' दुबे ने कहा कि वह करीब 15 वर्ष से लोकसभा सदस्य हैं और हर वक्त सदन में मौजूद रहे हैं तथा दूसरों की तुलना में सदन में अधिक वक्त बिताते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा भी दिन देखूंगा।''

'राम राज्य' में सभी के लिए अच्छी और नि:शुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं होनी चाहिए : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि अगर कोई 'राम राज्य' की कल्पना करता है तो उसमें सभी को अच्छी और नि:शुल्क शिक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं मिलनी चाहिए।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि सभी को अच्छी शिक्षा तथा स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं मिलनी चाहिए और आम आदमी पार्टी (आप) नीत दिल्ली सरकार इस दिशा में काम करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने शनिवार को दिल्ली सरकार के अरुणा आसफ अली अस्पताल की नई ओपीडी (बाह्य रोग विभाग) इमारत का उद्घाटन किया और वहां मरीजों से बातचीत भी की।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार का ध्यान स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा पर केंद्रित है और बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों में अभी करीब 10,000 बिस्तर हैं। उन्होंने कहा कि 11 नए अस्पताल बनाए जा रहे हैं और पुराने अस्पतालों में बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में 16,000 और बिस्तर उपलब्ध कराए जाएंगे।

आगामी दशहरा और दीपावली उत्सव के संदर्भ में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम भगवान राम की पूजा करते हैं।''

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने म्यांमार से सटी सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था रद्द करने की मांग की

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था को रद्द करने और वहां बाड़ लगाने का काम पूरा करने का आग्रह किया है। मुक्त आवाजाही व्यवस्था भारत-म्यांमार सीमा के दोनों छोर के करीब रहने वाले लोगों को बिना किसी दस्तावेज़ के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर तक अंदर जाने की अनुमति देती है।

सिंह ने कहा कि सरकार ''अवैध प्रवासियों'' की आमद से निपटना जारी रखेगी और भारत-म्यांमार सीमा पर पूर्ण बाड़ लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर में 60 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए कदम उठाए हैं।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मौजूदा स्थिति पिछली सरकारों की अनियोजित नीतियों का नतीजा है, न कि किसी हालिया फैसले का तत्काल परिणाम। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से मुक्त आवाजाही व्यवस्था को रद्द करने का अनुरोध किया है। जीरो प्वाइंट पर तैनात होने के बजाय, वे भारतीय क्षेत्र के अंदर 14-15 किमी. सीमा की रक्षा करते पाए गए।'' सिंह ने कहा, ''हमें राज्य में वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अवैध प्रवासियों की आमद से निपटना होगा, आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए कल्याणकारी गतिविधियां शुरू करनी होंगी और चूरा पोस्ते की खेती के खिलाफ बड़े पैमाने पर लड़ना होगा।''

जागरूक जनप्रतिनिधि बनने के लिए मोदी हम सभी के प्रेरणास्रोत : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी(उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जन योजनाएं कैसे बनाई जाती हैं और फिर उन्हें कैसे क्रियान्वित किया जाता है, ये हम सभी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक जनप्रतिनिधि बनने के लिए प्रधानमंत्री मोदी हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर हर भारतवासी गर्व की अनुभूति करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रुद्राक्ष सम्मेलन केंद्र में आयोजित अटल आवासीय विद्यालयों के उद्घाटन एवं सांसद सांस्कृतिक सम्मेलन के समापन समारोह के दौरान ये बातें कही।

इससे पहले प्रधानमंत्री की मौजूदगी में मुख्यमंत्री अटल आवासीय विद्यालय के बच्चों से संवाद कार्यक्रम में भी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी काशी आते हैं तो देश और दुनिया को कुछ बड़ा देकर आते हैं। इस बार चंद्रयान की अभूतपूर्व सफलता, जी-20 सम्मेलन के जरिए वैश्विक मंच पर भारत की शक्ति और सामर्थ्य का प्रदर्शन, आदित्य एल-वन का सफल प्रक्षेपण और संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना महत्वपूर्ण कदम हैं।

उन्होंने कहा, ''समाज के हर तबके के विकास के लिए कार्य योजना बनाना और उसे प्रभावी ढंग लागू करना है, यह आपके नेतृत्व क्षमता से हम सब सीखते हैं।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री का आज ये चौथा कार्यक्रम है। सुबह दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन को संबोधित करने के बाद काशी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास, फिर संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में नारी शक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम, उसके बाद अटल आवासीय विद्यालयों के बच्चों से संवाद और अब 16 अटल आवासीय विद्यालयों के लोकार्पण के साथ ही सांस्कृतिक कर्मियों का सम्मान। यह दिखाता है कि एक जागरूक जनप्रतिनिधि को कैसे कार्य करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की आधारशिला है महिलाओं और गरीबों की भलाई : दिनेश शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्य दिनेश शर्मा ने महिला आरक्षण विधेयक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि गरीबों का कल्याण और महिलाओं का सशक्तीकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की दो प्रमुख आधारशिला हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने संसद के विशेष सत्र के दौरान सोमवार को उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली थी और वह पुराने संसद भवन में शपथ लेने वाले अंतिम सांसद हैं।

शर्मा ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाला मैं आखिरी व्यक्ति था। वास्तव में, मैं पुराने संसद भवन में कामकाज के आखिरी दिन दोनों सदनों में शपथ लेने वाला एकमात्र व्यक्ति था। मंगलवार को अगले दिन, हम नई इमारत में चले गए।' उन्होंने कहा, 'मुझे सदन के सभापति (उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़) ने पुरानी इमारत में आखिरी सांसद होने का गौरव हासिल करने के लिए बधाई दी।'

हालांकि, भाजपा नेता ने कहा कि जिस बात ने उनके लिए उस दिन को और अधिक ऐतिहासिक बना दिया, वह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित करने के लिए विधेयक पेश करना था। विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा दोनों से मंजूरी मिल गई है। इसे अब अधिकतर विधानसभाओं की मंजूरी की आवश्यकता होगी।

शर्मा ने दावा किया कि नया विधेयक रातोंरात या अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 से मोदी की नीतियों और पहलों का विस्तार है जो महिला सशक्तीकरण और गरीबों के कल्याण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, नौ साल पहले जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से गरीबों का कल्याण और महिला सशक्तीकरण उनकी पहल और योजनाओं की आधारशिला रही है। सरकारी नीतियों में कोई जाति या वर्ग भेद नहीं है।

असम ने 3,214 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौते किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने राज्य में 3,214 करोड़ रुपये के निवेश के लिए शनिवार को विभिन्न कंपनियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार को राज्य में अगले दो-तीन साल में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, आज हमने 3,214 करोड़ रुपये के कुल निवेश के लिए छह कंपनियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे कुछ साल में 5,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी। इसके अलावा, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास पांच-सितारा होटल खोलने के लिए असम पर्यटन विकास निगम भी एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। शर्मा ने कहा, दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए काजीरंगा में जल्द ही एक पांच-सितारा रिजॉर्ट होगा। इसे हयात समूह 100 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित करेगा, जिसमें 100-120 कमरे होंगे। उन्होंने कहा, असम एक औद्योगिक राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज के कार्यक्रम के साथ, इस वर्ष हमने कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जो 11,314 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश लाएंगे, जिससे राज्य में 10,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावों की दूसरी खेप पर उद्योग विभाग विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, हमने निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को बहुत सरल बना दिया है। ऐसे आवेदनों पर कार्रवाई के लिए अलग-अलग विभागों में दौड़ने की बजाय एक समर्पित समिति का गठन किया गया है।

जातिगत जनगणना से डरते क्यों हैं प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की वकालत करते हुए शनिवार को कहा कि देश के प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से डरते क्यों हैं? उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भागीदारी देने का काम बिना जातिगत जनगणना के नहीं हो सकता।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को जातिगत जनगणना के आंकड़े देश के सामने रखने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि महिला आरक्षण को आज ही लागू किया जा सकता है लेकिन केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार परिसीमन व नई जनगणना का बहाना बनाकर इसे टालना चाहती है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि महिला आरक्षण आज ही लागू हो। राहुल गांधी ने जयपुर में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर हम ओबीसी की भागीदारी की बात करते हैं तो बिना जातिगत जनगणना के ऐसा नहीं किया जा सकता है। अगर प्रधानमंत्री 24 घंटे ओबीसी की बात करते हैं... उनके सम्मान की बात करते हैं... तो फिर प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना से क्यों डरते हैं?'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री जी अपने अगले भाषण में आप हिंदुस्तान को बता दीजिए कि कांग्रेस पार्टी ने जातिगत जनगणना करवाई थी और आंकड़े आपके पास हैं। उन आंकड़ों को देश के सामने रख दीजिए। जनता को दिखा दीजिए और अगली जनगणना आप जातिगत आधार पर कराएं। ओबीसी का अपमान मत कीजिए और उन्हें धोखा मत दीजिए।''

बिधूड़ी ने सड़क के गुंडे जैसा व्यवहार किया : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने लोकसभा में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद दानिश अली के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रमेश बिधूड़ी की अपमानजनक टिप्पणी की निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि बिधूड़ी ने सड़क के गुंडे जैसा व्यवहार किया।

तेजस्वी ने कहा कि उन्हें बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई होने की कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को सभी प्रकार के आपराधिक व्यवहार में शामिल होने का अधिकार है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता ने कहा, ''हमने पुरस्कार विजेता महिला पहलवानों की दुर्दशा देखी, जो महीनों तक धरने पर बैठी रहीं। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जिन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।''

बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''संसद के अंदर जो हुआ वह वाकई पीड़ादायी और शर्मनाक था। एक साथी सांसद को उसकी धार्मिक संबद्धता के लिए निशाना बनाते हुए ऐसी भाषा का प्रयोग किया गया... यह घटना ऐसे समय में हुई, जब कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने सदन को बताया था कि सदस्यों का व्यवहार यह तय करेगा कि लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में कौन होगा और विपक्ष में कौन बैठेगा।''

हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को झारखंड उच्च न्यायालय में चुनौती दी

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को झारखंड उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कथित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उन्हें समन भेजे जाने को चुनौती दी है। उनके वकील ने यह जानकारी दी।

उच्चतम न्यायालय ने 18 सितंबर को धन शोधन से जुड़े कथित मामले में ईडी की ओर से जारी समन के खिलाफ सोरेन की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने मामले में राहत के लिए सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय का रुख करने की छूट दे दी थी।

अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने पर हताश नहीं होना चाहिए : मोहम्मद शमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने पर हताश नहीं होना चाहिए और उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए जिनको टीम में जगह मिली है।

शमी से जब पूछा गया कि उन्हें वनडे क्रिकेट में कम मौके मिल रहे हैं तो उन्होंने कहा,''जब मैं नियमित तौर पर क्यों खेल रहा था, तब किसी ने किसी को बाहर बैठना पड़ा होगा और उसके लिए मैं दोषी नहीं था। इसलिए यदि आपको टीम में जगह नहीं मिलती तो हताश नहीं होना चाहिए क्योंकि टीम जीत रही है।''

भारतीय टीम प्रबंधन ने संकेत दिए हैं कि आगामी विश्व कप के दौरान जब वह अपनी सबसे मजबूत टीम के साथ खेलेगा तो जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज उसके दो प्रमुख तेज गेंदबाज होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 51 रन देकर पांच विकेट लेने वाले शमी ने हालांकि कहा कि जब आप बहुत अधिक मैच खेल रहे होते हैं तो फिर 'रोटेशन' बुरी चीज नहीं होती।

शमी ने भारत की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा,''यह टीम की रणनीति है और इस पर कायम रहना महत्वपूर्ण है। आप हमेशा अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सकते हैं तथा काफी कुछ टीम के संयोजन पर निर्भर करता है।'' उन्होंने कहा,''अगर आप अच्छा खेल रहे हैं और अगर आपको अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलती है तो आपको उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए जो खेल रहे हैं। मेरा मानना है कि हताश होने का कोई मतलब नहीं है तथा टीम मुझे जो भी भूमिका सौंपती है मैं उसको निभाने के लिए तैयार रहता हूं।''

शमी से पूछा गया कि क्या वह रोटेशन नीति का समर्थन करते हैं, उन्होंने कहा,'' आप जो जानने की कोशिश कर रहे हैं वह मेरी समझ से परे है लेकिन निश्चित तौर पर जब आप टीम का गठन करते हैं तो कोच की भूमिका परिस्थितियों को देखते हुए खिलाड़ियों को रोटेट करने की होती है।''

उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता से पहले रोटेशन की नीति को अपनाना सही है। शमी ने कहा,''आपने रोटेशन के कारण अच्छे परिणाम देखे होंगे और मेरा मानना है कि विश्व कप से पहले खिलाड़ियों पर अधिक बोझ नहीं डालना चाहिए। रोटेशन की नीति सही तरह से चल रही है और हमें अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।''

मणिपुर : जातीय संघर्ष के बीच एनआईए ने संदिग्ध उग्रवादी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने म्यांमार से संचालित उग्रवादी संगठनों से कथित तौर पर संबंध होने और मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष का फायदा उठा कर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के आरोप में एक संदिग्ध उग्रवादी के गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि मोइरांगथेम आंनद सिंह को मणिपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए नई दिल्ली लाया गया है। सिंह उन पांच आरोपियों में शामिल था जिन्हें मणिपुर पुलिस ने पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद राज्य के बहुसंख्यक समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था और उनका दावा था कि वह ग्राम रक्षा कार्यकर्ताओं में शामिल है। स्थानीय अदालत ने पांचों आरोपियों को शुक्रवार को जमानत दे दी थी। अधिकारी ने बताया हालांकि, सिंह को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और राष्ट्रीय राजधानी लाने से पहले उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि सिंह को मणिपुर में मौजूदा जातीय अशांति का फायदा उठाकर भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए म्यांमार स्थित आतंकवादी समूहों के नेतृत्व द्वारा की गई 'अंतरराष्ट्रीय साजिश' से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया। एनआईए ने 19 जुलाई को नई दिल्ली में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था और जांच से पता चला कि साजिश के तहत राज्य में मौजूदा अशांति का फायदा उठाकर प्रतिबंधित उग्रवादी समूह सुरक्षा बलों पर हमले और अपनी ताकत बढ़ाने के लिए भूमिगत कार्यकर्ताओं,काडर और समर्थकों की भर्ती कर रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि सिंह को पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

सुविचार

परिस्थितियां विपरीत हो तो कुछ लोग टूट जाते हैं, और कुछ लोग रिकॉर्ड तोड़ देते हैं।

ट्वीट

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी एवं श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में नए पीसीसी भवन के शिलान्यास के अवसर पर जयपुर में आयोजित हुए कार्यकर्ता सम्मेलन से हमारे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और जोश का संचार हुआ है।

-सचिन पायलट

कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव श्री के.सी वेणुगोपाल का वीरभूमि राजस्थान में आत्मीय अभिनन्दन। आपकी गौरवशाली उपस्थिति सदा ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित हर राजस्थानी के मन में अपूर्व उत्साह और जोश के संचार का स्रोत रही है।

-अशोक गहलोत

कहानी

संतोख सिंह धीर

उजड़ गया मेरा पड़ोसी

जरनैली सडक़ पर मज़हब के सताये हुए लोगों का चार मील लम्बा काफिला नए वतन की ओर जा रहा था। मैं कहीं बाहर से अपने गाँव की ओर आ रहा था। मेरीज़ मंजिल से लगभग दो मील पहले–काफिले के बीच में–हमारी बस खराब हो गयी। सवारियाँ उतर कर सडक़ से नीचे की ओर बिखर गयीं और ड्राइवर इंजन का घूँघट उठाकर नुक्स देखने लगा। सडक़ के बायीं ओर, सुस्त गति से बैलगाडिय़ाँ चीख रही थीं, जैसे कि पहिये धुरी पर विवश घूम रहे हों। भूखे, हाँफते हुए बैलों के कन्धों पर पूरे–पूरे कुटुम्ब का भार था। बैल बीमारों की तरह चल रहे थे उनके मालिकों के दिल उनकी चाल से सहमत नहीं थे। दूसरी ओर बैलों के पैरों से उड़ती धूल हवा की लहरों से चिपकती चारों ओर फैल रही थी।

बैलों के कंठों में घुँघरू नहीं बँधे थे। किसी–किसी बैलगाड़ी से बच्चों के सिसकने–रोने की आवाजें आ रही थीं। बैलगाडिय़ों पर लाशों–से भूखे पिंजर बेचारगी से चुपचाप देखते जा रहे थे। उनके पीले चेहरे धूल से धुँधलाये हुए थे। उनकी सड़ी–गली ज़िन्दगी पर मक्खियाँ भिनभिना रही थीं, और हवा की खुश्क लहरों के साथ एक बदबू वायुमंडल में फैल रही थी।

मेरी इच्छा हुई, उजडक़र जा रहे लोगों को, और एक बार करीब से देख लूँ।

दो क़दम उठाते ही मैं ऊबड़–खाबड़ में सडक़ के दायें किनारे पर पहुँच गया। अचानक एक तरफ बैलगाडिय़ाँ खड़ी होने लगीं। शायद काफ़िले को रोका गया था। मैं सुरमई सडक़ पर हो गया और लम्बी पंक्ति में खड़ी, प्रत्येक गाड़ी को देखता, धीरे–धीरे आगे बढऩे लगा।

किसी बैलगाड़ी से जब किसी की उदास आँखें मेरी ओर देखतीं तो मुझे देखते ही एकदम हट जातीं। प्रत्येक गाड़ीवान एक बार तो मेरी शक्ल से डर जाता जैसे मेरी आँखों में उन्हें बरछे चमकते नज़र आ रहे हों। मैं सुरमई सडक़ से हटकर फिर कच्ची पटरी पर आ गया।

तकरीबन तीन बैलगाडिय़ों के बाद, अचानक एक गाड़ीवान ने मेरी ओर देखा। उसकी नज़रें मुझसे हटते–हटते फिर मेरी ओर हो गयीं। उसने फिर मेरी ओर देखा और उसके चेहरे पर हल्की–सी मुस्कराहट उभर आयी। उसकी आँखों में चमक आ गयी जा इस काफिले में बिल्कुल अनहोनी बात थी। गाड़ीवान एक छलाँग में गाड़ी से उतरकर मेरी ओर बढ़ा–जैसे कि उसकी छाती में कोई गोला फट गया हो–उसे छुरछुरी–सी महसूस हुई और वह फूटकर रो पड़ा।

ओ...हो...दुल्ला! बहुत बुरा हो गया यार! तू तो पहचान में भी नहीं आ रहा।'' मैंने उसे देखकर कहा।

दुल्ले की सिसकी से गाड़ी में निढाल, बेहोश–सी लेटी जैनब के दिल को धक्का लगा। बाप का रोना सुनकर तो बेटियाँ कब्रों में भी जाग जाती हैं।

'अब्बा...तुम...इधर आ जाओ...।' जैनब ने मरी हुई आवाज़ में कहा। उसकी आँतें जैसे अकड़ गयी हों। उसने मुझे पहचाना नहीं था। बैलगाड़ी से दूर जा रहे अब्बा को यह मौत के जबड़ों में जाता हुआ समझ ही थी।

'दुल्ला! मेरे भैया, आओ हम कोई बात करें।' मैंने दुल्ला को सान्त्वना देते हुए उसके कन्धे पर हाथ रखते हुए कहा। उसके गाल आँसुओं से भीग चुके थे। उसने सिसकियाँ लेते हुए, अपनी कमीज़ के मैले पल्ले से आँखें और नाक पोंछा। रो–रोकर वह थक चुका था, उसकी आँखों लाल हो गयी थीं। उसने अपने को सँभालते हुए मेरी ओर देखा, और धीरे–सी गर्दन घुमाकर उसने अपनी बेटी से कहा, 'बेटी जैनब, गुरबचनसिंह खड़ा है..., अपना पड़ोसी..., मिल लो...।'

उसने ढीली बाँहों से बैलगाड़ी का सहारा लिया जिससे उसकी कोहनियाँ बाहर की ओर निकल आयीं। उसकी कमर के ऊपर खोंची लुँगी गाड़ी की बाँहों के ऊपर तक उड़ रही थी। मेरा नाम सुनते ही जैनब फूट–फूटकर रो पड़ी। उसकी पसलियों में साँस खींचने की भी ताकत नहीं थी। पर रोने के लिए उसमें पता नहीं कहाँ से हिम्मत आ गयी थी। उसके रुदन को सुन बैलों की आँखों से भी आँसू बहने लगे। दुल्ला हमारे गाँव का राठ गूजर कहलाता था। बीस–बीस कोस तक उसकी धाक थी। सारे गाँव के डाँगर वही चराता था। साथ ही बकरियों का एक झुंड भी पालता था। ऐसा कभी नहीं हुआ कि उसकी सुपुर्दगी में डाँगर किसी के खेत में घुसे हों और उन्हें किसी दूसरे गाँव के फाटक में बन्द होना पड़ा हो।

उनके साथ काम पड़ता रहा था।

हमारे मकान के पीछे, पशुओं के बाड़े के साथ, उसकी बकरियों का बाड़ा था। मेरे पिताजी बताया करते थे कि दुल्ले के ताऊ सुलेमान ने एक बार हमें विश्वास दिलाया था–सावनसिंह, तुम्हारा माल हमारा माल, कोई फ़र्क तो नहीं, तुम घर में आराम से सोया करो। तुम्हारे डाँगरों की देखभाल करके हम थक नहीं जाएँगे।' तभी से हमने कभी अपने पशुओं के पास चारपाई नहीं बिछायी।

जैनब मेरी बहनों की पक्की सहेली थी। वे जब मिलकर सूत कातने बैठती तो सुबह तक लगी रहतीं। इकट्ठे मिल औरतों ने गाना, झूले झूलने। वे एक साथ उठती–बैठतीं, सोचती–विचारतीं। मिलकर वे सुन्दर फुलकारी काढ़तीं। हमारी अजब रंगों वाली दरियाँ उनकी साँझी आकांक्षाओं के

रंगीन उदाहरण हैं। जैनब का दाज मेरी बहनों ने मिलकर बनाया था। और अब जैनब मेरी बहनों के साथ मिलर उनका दाज तैयार करवा रही थी।

जैनब मुझे सगी बहन–सी लगती थी। वह मुझे सदा वीर' कहकर ही बुलाती थी। जब कभी वह मेरी किसी बहन से छीना–झपटी करती तो मेरे लिए फैसला करना मुश्किल हो जाता। किसका दोष निकालूँ–किसको डाँटूँ!

जब उसकी डोली जा रही थी तो उसके रिश्तेदारों के साथ मेरी बहनें भी खूब रोयी थीं। उनके रिश्तेदारों ने छींट के कपड़े और चाँदी के आभूषण पहने हुए थे–उनमें मेरी सादी बहनें अलग लग रही थीं। पर आत्मा से निकले दर्दीले विलाप से मैं अपनी बहनों की आवाज़ को पहचान नहीं पाया था।

उसके भाई और बाप ने अपनी साधारण पगडिय़ों के कानों पर लटकते पल्लों से आँखें पोंछी थीं। जबकि वे राठ थे, पर बेटियों को विदा करते समय अच्छे–अच्छे तीसमारखाँ भी निरीह हो जाते हैं। जैनब अपने मामा के आलिंगन में उसके गले से लगी, एक अजीब काँपते स्वर में ऊँ–ऊँ करके रो रही थी। इस लय में औरत ज़िन्दगी में शायद एक बार ही रोती है। उसके रोने की थिरकती लय में मेरा दिल डूबता जा रहा था, जैसे नदी की लहरों के बार–बार किनारे से टकराने से किनारा धुल जाता है। दो आँसू मेरी पलकों से निकलकर धरती पर गोल बूँदों के रूप में गिर गये थे।

वही जैनब अब मुझे पराया समझ रही थी, जैसे उसके दिल से विश्वास उठ गया हो। उसके मन में सन्देह था–वीर–वीर' करती हुई भी तो बहुत–सी औरतें मारी गयीं...।

मेरे हृदय में भी छुरियाँ चल रही थी–बहन को आज भाई पर भी विश्वास नहीं रहा–उसी जैनब का हृदय आज मेरी परछाई से भी काँपता था। वही विवाहिता जब वापस लौटी थी तो मुझे इस तरह आलिंगन में लेकर मिली थी, जैसे अपने भाई जमाले को।

'अच्छा गुरबचनसिंह...आखिरी समय तुम मिल गये...।' दुल्ला ने गले में रुके गुबार का घूँट भरते हुए कहा। बड़ी मुश्किल से उसके गले से आवाज़ निकली।

'समय का फेर है, दुल्ला, कुछ हवा ही बुरी चल पड़ी है। अच्छे–भले आदमी पशु बन गये हैं।'

'बचनसिंह, अल्लाह जानता है, हमने तो कभी किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा...हम तो निर्दोष हैं,' दुल्ला की नीचे की ओर लटक रही मूँछें काँप गयीं और उसकी दाढ़ी के बाल बुर्श की तरह अकड़े खड़े रहे जिसमें धूल का मैलापन झाँक रहा था।

'सच, नूर, जीनाँ, कैमी, गोहर और छोटी मुनिया फाताँ नज़र नहीं आयीं।'

'सभी को अपनी–अपनी जान बचाने की पड़ गयी थी। भगदड़ में बच्चों को कौन सँभालता? पीरू डूम के बेटे नजीर ने बताया था कि गोरे के खेतों में उन्हें मार दिया जहाँ वे टीकरियों से खेला करते थे।' दुल्ला की आँतें जैसे चुपचाप रो दी हों। उसके बन्द होंठों और ठोढ़ी पर गम काँप गया। मैं, जैनब और वह गाम का छोटा बच्चा तीन दिन ईख में छिपे रहे। और एक रात जब हो–हल्ला कुछ शान्त हुआ तो मौका पाकर हम रोजीं में जा छिपे, तब कहीं जान बची।''

'खैर, अच्छा दुल्ला, तेरी कजान तो बच गयी। सब–कुछ फिर से ठीक हो जाएगा।'

'अच्छा, शुक्र है उस परमात्मा का...' दुल्ले ने आसमान की ओर अदब से संकेत करते हुए कहा। दूर, ऊँचाई पर कौवों की एक पंक्ति उड़ती हुई गाँव की ओर जा रही थी। दुल्ले की आँखों में इच्छा और लालच चमक उठा–'यदि मैं कहीं कौवा बन जाऊँ...जाती बार तो अपने गाँव की मुँडरों पर खूब उड़ूँ...मेरी जान को कोई खतरा नहीं होगा...मेरा कौन–सा कोई मज़हब होगा...!'

पंक्ति दूर निकल गयी थी, जैसे कि कौवे मच्छर बन गये हों। दुल्ले ने कौवों की दूरी जितना लम्बा साँस लिया।

'बेटी जैनब! तू भी कोई बात कर ले, भैया खड़ा है।' दुल्ले ने बेटी पर दया और लाड़ करते हुए कहा। जैनब का रुदन अब टूटी हुई सिसकियों में बदल गया था। वह रो–रोकर निढाल हो गयी थी। उसकी फटी हुई चुनरी आँखों के पानी में डूबकर लाल–लाल मछलियों–सी लग रही थी।

उसके मुँह से आवाज़ निकली–'भैया, तुम मुझे अब भी रख लो...हम तुम्हारे धर्म में आ जाते हैं।' 'बहन, आज मेरा कोई धर्म नहीं। यदि मेरा धर्म होता तो मेरे सामने आप इस तरह बेघर न होते।' 'अच्छा...भैया...।' जैनब ने एक पल के लिए आँखें फाडक़र मेरी तरफ देखा, जैसे कि अँधेरे में वह कोई सुरक्षा की किरण तलाश रही हो। पर जल्द ही उसकी अधबुझी आँखों पर धूल–सनी पलकें झुक गयीं। उसका दिल चीख उठा। उसने महसूस किया–बहन को घर की तरफ आते देखकर निर्मोही भैया ने दरवाजा बन्द कर लिया।

अच्छा बचनसिंह, गाँव के दरवाजे को हमारा सलाम कहना। और बरसात के पानी में हमारे मकान–कोठे का ध्यान रखना। कहीं छत चूने न लगे। हमारे परदादे के समय से यह छत हमें ओट देती रही है। सूने घर की पर्तें उतर–उतरकर मकान को खोखला कर देती हैं।

'तुम्हारे कोठे की...।' मेरे मुँह से सच निकलने लगा था कि–अभी तुमने चौखट ही पार की होगी, तुम्हारे जाते ही उसमें आग की लपटें जल उठीं। नीली जीभों वाली आग की लपटें सर्पिणियों की तरफ फुँकार रही थीं, जिनकी लपेट में तुम्हारी छत की सड़ी कडिय़ाँ तिडक़–तिडक़र जल गयीं और लपटों की गरमी से अधजली दीवारों में दरारें पड़ गयीं।' पर सच कभी–कभी बरछे–सा चुभता है और बहुत दु:ख देता है। और हम सच से वाकिफ़ होते हुए भी जब झूठ को सुनते हैं तो आत्मा प्रसन्न हो जाती है।

दु:खते हुए दिल को और दु:खी क्यों करूँ? मैं उसे सच बताते–बताते रुक गया और धीरे–से कहा–'तुम बेफ़िक्र रहो, दुल्ला। तुम्हारे घर का मैं ध्यान रखूँगा।'

हम सडक़ की कच्ची पटरी से उतरकर कुछ नीचे की ओर हो गये। रक्षक सिपाहियों की एक बस आधी कच्ची और आधी पक्की सडक़ पर चलती–लुढक़ती आ रही थी। घूँ–घूँ करती लुढक़ती बस हमारे पास से गुजर गयी। धूल का एक भूरा बादल धरती से उडक़र वायुमंडल में बिखरने लगा। दूर तक इस बादल में संगीनों की तेज जीभें चमकती जा रही थीं।

बादल थककर बिरला हो गया था। धूल की खुश्की धीरे–धीरे काफ़िले पर गिरती हुई जमती चली गयी। अच्छा, गुरबचन! अल्लाह ने चाहा तो कहीं फिर मिलेंगे, जिन्दा या...।

'जरूर मिलेंगे दुल्ला, तुम चिन्ता मत करो। मिले बिना अपना काम नहीं चलेगा...आख़िर हमें एक होना ही पड़ेगा।''

'पर, मुझे तो आशा नहीं।''

तू तो बावला है। नाखूनों से कभी मांस अलग नहीं होता। यह तो सब अँग्रेजों की चाल है। हमें भडक़ाकर भुतहा बना दिया। भाई ने भाई का पेट फाड़–कर चिथड़े कर दिया।''

''चलो भी! ससुरे कैसे मेंढकों से उछलकर अलग हो जाते हैं।'' काफ़िले के साथ–साथ पैदल गश्त कर रहे फौज़ियों ने जिनके कन्धों पर सफेद जीभों वाली बन्दूकें थीं, सडक़ के किनारे बैठकर घास उखाड़ रहे लोगों से कहा, जो काफिला रुक जाने पर अपने बैलों के पेट भरने के लिए घास उखाडऩे लग जाते थे।

धीरे–धीरे काफिला सरकने लगा। बैलों ने फिसलने वाली स्लेटी सडक़ पर अपने पिछले खुरों को अड़ाकर अपनी गर्दनों पर पूरे कुटुम्ब का भार खींचा। दम लगाते बैलों की आँखें चौड़ी होकर जैसे फटने लगी हों। गाड़ी के पहिये धरती में धँसे जा रहे थे। निर्दयी गाड़ीवानों ने बैलों की पूँछों को मरोड़ा और उनकी जाँघों के बीच अपने डंडे को चुभाया। पहिये विवश हो घूरी पर घूमने लगे। गाडिय़ों की पसलियों से निकली चीख, पहिये से निकली चीखों के साथ मिल काफिले की समूची चीख बनने लगी।

दुल्ला एक छलाँग में बैलगाड़ी की गर्दन पर जा बैठा। बैलों की सफेद पूँछों के उसने कुंडल बना दिये। उसने अपनी लटक रही टाँगों के अँगूठे बैलों की जाँघों के बीच लगाये। उसकी बैलगाड़ी के पहियों में से एक मार्मिक चीख निकली जो महान चीख से मिलकर एकाकार हो गयी।

मेरी जेब में तीन रुपये सात आने थे। सवा रुपया मैंने किराया देना था। मैंने चलते–चलते दो का नोट जैनब की हथेली पर रख दिया और उसकी पतली और सूखी उँगलियों को बन्द करने लगा।

'वीर, तुम रहने दो, कष्ट मत करो।''

'रख लो, रख लो, मेरी बहन, कष्ट कैसा! मैं तेरा भाई नहीं...?' मेरा गला रुँध गया। मैं खुलकर बोल न सका। मेरी आँखों में कुछ ऐसा था, जैसे कि मैं धुँधले शीशों में से देख रहा होऊँ।

'अच्छा...भैया, मिन्दो और प्रीतो को मेरा सलाम कहना।' जैनब ने मेरी बहनों को सन्देश दिया–और उन आँगनों को भी सलाम कहना जहाँ मेरा दिल बार–बार जाता है। हमारे पिछवाड़े वाले बाड़े में आम की जड़ों को कभी–कभी पानी दे देना। उसकी पौध मैंने बड़े चाव से खुद लगायी थी। उसके चमकते हुए बैंगनी पत्ते कहीं सूखकर झड़ न जाएँ...। जैनब कहती गयी जैसे कि रोगी अन्त समय में बुड़बुड़ाता है। शाम को थका सूरज पश्चिम में छुप गया और एक–एक करके बैलगाडिय़ों की लम्बी पंक्ति मेरे पास से सरकती ख़त्म हो गयी।

अनुवाद – गुरचरण सिंह
('हिन्दी समय' से साभार)

संजय उवाच

▪ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

अपरंपार

स्थानीय बस अड्डे के पास सड़क पार करने के लिए खड़ा हूँ। भीड़–भाड़ है। शेअर ऑटो रिक्शावाले पास के उपनगरों, कस्बों, बस्तियों, सोसायटियों के नाम लेकर आवाज़ लगा रहे हैं, अलां स्थान, फलां स्थान, यह नगर, वह नगर। हाईवे या सर्विस रोड, टूटा फुटपाथ या जॉगर्स पार्क। हर आते–जाते से पूछते हैं, हर ठहरे हुए से भी पूछते हैं। जो आगंतुक जहाँ जाना चाहता है, उस स्थान का नाम सुनकर स्वीकारोक्ति में सिर हिलाता हुआ शेअर ऑटो में स्थान पा जाता है। सवारियाँ भरने के बाद रिक्शा छूट निकलता है।

छूट निकले रिक्शा के साथ चिंतन भी दस्तक देने लगता है। सोचता हूँ कैसे भाग्यवान, कितने दिशावान हैं ये लोग ! कोई आवाज़ देकर पूछता है कि कहाँ उतरना है और सामनेवाला अपना गंतव्य बता देता है। जीवन से मृत्यु और मृत्यु उपरांत की यात्रा में भी जिसने गंतव्य को जान लिया, गंतव्य को पहचान लिया, समझ लिया कि उसे कहाँ उतरना है, उससे बड़ा द्रष्टा और कौन होगा?

एक मैं हूँ जो इसी सड़क के इर्द–गिर्द, इसी भीड़–भड़क्के में रोज़ाना अविराम भटकता हूँ। न यह पता कि आया कहाँ से हूँ, न यह पता कि जाना कहाँ है। अपनी पहचान पर मौन हूँ, पता ही नहीं कि मैं कौन हूँ।

सृष्टि में हरेक की भूमिका है। मनुष्य देह पानेवाले जीव की गति मनुष्य के संग से ही संभव है। यह संग ही सत्संग कहलाता है। दिव्य सत्संग है पथिक और नाविक का। आवागमन से मुक्ति दिलानेवाले साक्षात प्रभु श्रीराम, नदी पार उतरने के लिए केवट का निहोरा कर रहे हैं। अनन्य दृश्यावली है त्रिलोकी के स्वामी की, अद्भुत शब्दावली है गोस्वामी जी की।

जासु नाम सुमरित एक बारा।उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

केवट का अड़ जाना, पार कराने के लिए शर्त रखने का आनंद भी अपार है।

मागी नाव न केवटु आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना।।
चरन कमल रज कहुँ सबु कहई। मानुष करनि मूरि कछु अहई।।

सोचता हूँ, केवट को श्रीराम मिले जिनकी चरणरज में मनुष्य करने की जड़ी–बूटी थी। मुझ अकिंचन को कोई केवट मिले जो श्वास भरती इस देह को मानुष कर सके।

तभी एक स्वर टोकता है, उस पार जाना है? कहना चाहता हूँ, हाँ, भवसागर पार करना है। करा दे भैया...! पार जाने की सुध बनी रहे, यही अपरंपार संसार का सार है।

बोध कथा

गाय और शेर

एक पहाड़ी के नीचे रामगढ़ नाम का एक गांव था। गांव के सारे जानवर हरी घास खाने के लिए सुबह उसी पहाड़ी के ऊपर बसे जंगल में जाते और शाम होते–होते घर वापस आ जाते थे। हर दिन की तरह लक्ष्मी नाम की एक गाय अन्य गायों के साथ उसी पहाड़ी के जंगल में घास खाने के लिए गई थी। वह हरी घास खाने में इतनी ज़्यादा प्रसन्न थी कि वह कब एक शेर की गुफ़ा के पास पहुंच गई, उसे पता भी नहीं चला।

शेर अपनी गुफ़ा में सो रहा था और वह पिछले दो दिनों से भूखा भी था। जैसे ही लक्ष्मी शेर की गुफ़ा के पास पहुँची, गाय की खुशबू से शेर की नींद खुल गयी। वह शेर धीरे–धीरे गुफ़ा से बाहर आया और गुफ़ा के बाहर गाय देखकर खुश हो गया। शेर ने मन ही मन सोचा कि आज उसकी दो दिनों की भूख मिट जाएगी। वह इस तंदुरुस्त गाय का ताज़ा मांस खाएगा और यह सोचकर उसने एक तेज़ दहाड़ लगायी। लक्ष्मी शेर की दहाड़ सुनकर डर जाती है। जब वह अपने आस–पास देखती है, तो वहां दूर–दूर तक उसको कोई भी दूसरी गायें नहीं दिखीं।

जब वह हिम्मत करके पीछे मुड़ी, तो उसे सामने शेर खड़ा हुआ दिखाई दिया। उस शेर ने लक्ष्मी को देखकर फिर से दहाड़ लगायी है और लक्ष्मी से कहा, मुझे दो दिनों से कोई शिकार नहीं मिल रहा था, मैं भूखा था। शायद इसलिए भगवान ने मेरा पेट भरने के लिए तुझे मेरे यहां पर भेजा है। आज मैं तुझे खाकर अपनी भूख मिटा लूंगा।

शेर की बात सुनकर लक्ष्मी डर जाती है। वह रोते हुए शेर से कहती है मुझे जाने दो, मुझे मत खाओ। मेरा एक छोटा बच्चा है, जो अभी सिर्फ मेरा ही दूध पीता है और उसे घास खाना अभी तक नहीं आया है। लक्ष्मी की बात सुनकर शेर हंसते हुए कहता है, तो क्या मैं अपने हाथ में आए शिकार को ऐसे ही जाने दूं? मैं तो आज तुझे खाकर अपनी दो दिनों की भूख मिटाऊंगा। शेर के ऐसा कहने पर लक्ष्मी उसके सामने रोने लगी और विनती करते हुए कहती है कि आज मुझे जाने दो। मैं आज अपने बछड़े को आखिरी बार दूध पिला दूंगी और उसे बहुत सारा प्यारा करके, कल सुबह होते ही तुम्हारे पास आ जाऊंगी। फिर तुम मुझे खा लेना और अपना भूखा पेट भर लेना।

शेर लक्ष्मी की यह बात मान जाता है और धमकी देते हुए कहता है कि, अगर कल तू नहीं आई, तो मैं तेरे गांव आऊंगा, फिर तुझे और तेरे बेटे दोनों को खा जाऊंगा। लक्ष्मी शेर की यह बात सुनकर खुश हो जाती है और शेर को अपना वचन देकर गांव वापस चली जाती है। वहां से वह सीधे अपने बछड़े के पास जाती है। उसे दूध पिलाती है और बहुत सारा प्यार करती है। फिर बछड़े को शेर के साथ हुई सारी घटना बताती है और कहती है कि उसे अब अपना ख़्याल ख़ुद ही रखना होगा। वह कल सुबह होते ही अपना वचन पूरा करने के लिए शेर के पास चली जाएगी।

अपनी मां की बातें सुनकर बछड़ा रोने लगता है। दूसरे दिन सुबह होते ही लक्ष्मी जंगल की तरफ निकल जाती है और शेर की गुफ़ा के सामने पहुंचकर शेर से कहती है, अपने वचन के अनुसार मैं तुम्हारे पास आ गई हूँ। अब तुम मुझे खा सकते हो। गाय की आवाज़ सुनकर शेर अपनी गुफ़ा से बाहर निकलकर आता है और भगवान के अवतार में प्रकट होते हैं। वह लक्ष्मी से कहते हैं, मैं तो बस तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। तुम अपने वचन की पक्की हो। मैं इससे बहुत प्रसन्न हुआ। तुम अब अपने घर और बछड़े के पास वापस जा सकती हो। इसके बाद वे उस गाय को गौ माता होने का वरदान भी देते हैं और उसी दिन के बाद से सभी गायों को गौ माता कहना शुरू कर देते हैं।

वीर गाथा

कैप्टन अजी एंथोनी : साथी जवानों को बचाते हुए कर दिए खुद के प्राण न्योछावर

कैप्टन अजी एंथोनी का जन्म 25 दिसंबर, 1978 को केरल में हुआ था। उन्हें बचपन से ही सशस्त्र बलों से बेहद लगाव था। यह जुनून उन्हें भारतीय सेना में ले आया। यहां उन्हें 4 राज रिफ में शामिल कर लिया गया। इधर कुछ समय तक सेवा देने के बाद उन्हें 57 आरआर बटालियन में नियुक्त कर जम्मू–कश्मीर भेज दिया गया।

कैप्टन एंथोनी सितंबर 2006 में अपनी यूनिट के साथ एलओसी के पास बांदीपुरा जिले में तैनात थे। यहां पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ का खतरा था, जिसके मद्देनजर जवानों को बेहद सतर्क रहना पड़ता था। इस यूनिट ने कई अभियान चलाकर आतंकवादियों का खात्मा किया था।

तीन सितंबर को सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि बांदीपुरा जिले के एक गांव में कुछ आतंकवादी छुपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद सुरक्षा बलों ने तय किया कि अभियान चलाकर आतंकवादियों को ढेर किया जाएगा।

उच्चाधिकारियों ने कैप्टन एंथोनी के नेतृत्व में एक टीम उस जगह भेज दी। जवानों ने तुरंत संदिग्ध क्षेत्र को घेर लिया। उन्हें देखकर आतंकवादी बुरी तरह घबराए और गोलीबारी शुरू कर दी। योजना के अनुसार, एंथोनी ने जवानों को दो समूहों में तैनात कर दिया था।

अब दोनों ओर से जोरदार गोलीबारी होने लगी। कैप्टन को एहसास हुआ कि दूसरे समूह पर आतंकवादियों की गोलीबारी बढ़ गई है, लिहाजा वे अपने साथी जवानों की मदद के लिए दौड़े। उन्होंने गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब देते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया, लेकिन स्वयं गंभीर रूप से घायल हो गए। वे कुछ समय बाद वीरगति को प्राप्त हो गए।

मात्र 28 साल की उम्र में भारत मां के लिए प्राण न्योछावर करने वाले कैप्टन अजी एंथोनी पर देशवासियों को गर्व है। उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कनाडा के आरोपों को लेकर भारत के साथ सम्पर्क में है अमेरिका : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन/भाषा

व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका कनाडा के इन आरोपों पर कि कनाडा की धरती पर एक सिख अलगाववादी की हत्या में नई दिल्ली संभावित तौर पर शामिल थी, भारत के साथ संपर्क में है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका कनाडाई सरकार के साथ भी नियमित संपर्क में है।

गत 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी अलगाववादी एवं कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच एक राजनयिक विवाद उत्पन्न हो गया।

भारत ने आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया है और इस मामले पर ओटावा में एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया है।

जीन-पियरे ने अपने दैनिक प्रेसवार्ता में संवाददाताओं से कहा, ''हमने भारत सरकार के साथ बातचीत की है। हालांकि, हम साफ तौर पर निजी राजनयिक बातचीत में शामिल नहीं होंगे। लेकिन, हां, भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ हमारी बातचीत हुई है।''

उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर, हम अत्यंत चिंतित हैं...। इसलिए, हम कनाडा की सरकार और कनाडा के साझेदारों के साथ नियमित संपर्क में हैं।''

सवालों के जवाब में जीन-पियरे ने कहा कि वह राजनयिक बातचीत पर टिप्पणी नहीं करेंगी।

इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिका ने कहा था कि वह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोपों की जांच करने के कनाडा के प्रयासों का समर्थन करता है। उसने साथ ही यह भी कहा था कि किसी भी देश को इस तरह की गतिविधियों के लिए कोई विशेष छूट नहीं मिल सकती।

कनाडा ने अपने दावों के समर्थन में अभी तक कोई सार्वजनिक सबूत उपलब्ध नहीं कराया है, मीडिया ने अपनी एक खबर में कनाडाई सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा है कि सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप इंसानी तथा खुफिया जानकारी तथा ओटावा के 'फाइव आइज' खुफिया नेटवर्क के एक सहयोगी देश से मिली गोपनीय सूचनाओं पर आधारित हैं।

स्वागत

वाराणसी में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

'भारत बनाम इंडिया' के विवाद से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं : विजयवर्गीय

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कहा कि देश के नाम को लेकर 'भारत बनाम इंडिया' के विवाद से उनके दल का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन कई लोग मानते हैं कि 'इंडिया' शब्द अंग्रेजों की देन है।

इस विवाद पर विजयवर्गीय ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि यह विवाद भाजपा का एजेंडा या विषय नहीं है और वह नहीं जानते कि यह विवाद कैसे सामने आया और कैसे इस पर बहस शुरू हो गई।

भाजपा महासचिव ने कहा,''..लेकिन हां, देश के कई लोगों का यह मत जरूर है कि चूंकि इंडिया अंग्रेजों का दिया शब्द है, इसलिए देश को भारत के रूप में ही संबोधित किया जाना चाहिए। पुराणों के एक श्लोक में भी देश का परिचय भारत के रूप में ही दिया गया है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या सत्तारूढ़ भाजपा मध्यप्रदेश का विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर लड़ रही है तो विजयवर्गीय ने जवाब दिया, ''अटलबिहारी वाजपेयी के जमाने में हम नारा लगाते थे- बच्चा-बच्चा अटलबिहारी। अब मोदी हमारे बड़े नेता हैं तो जो नेता है, उसका नाम तो (प्रचार अभियान में) आता ही है।' उन्होंने कहा कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के कुछ नेताओं के कांग्रेस में जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

विजयवर्गीय ने कहा, ''भाजपा, कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। जब कुछ लोगों की दलीय विचारधारा पर उनकी निजी महत्वाकांक्षाएं हावी हो जाती हैं, तो ऐसे लोग पार्टी छोड़ देते हैं। ऐसे लोग हमारी पार्टी के काबिल भी नहीं होते।''

श्री राधा अष्टमी उत्सव

मथुरा में शनिवार को श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पुजारी अनुष्ठान करते हुए और श्री राधा अष्टमी उत्सव (देवी राधा का जन्मदिन) मनाते हुए।

'हरदीप सिंह निज्जर धार्मिक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आतंकवादी था'

नई दिल्ली/भाषा

खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा में तनातनी के बीच सूत्रों ने बताया कि वह (निज्जर) कोई धार्मिक और सामाजिक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आतंकवादी था, जो आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाने और आतंकवादी कृत्यों के वित्तपोषण में शामिल था।

हरदीप सिंह निज्जर, गुरदीप सिंह उर्फ दीपा हेरनवाला का करीबी सहयोगी था। हेरनवाला 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में पंजाब में लगभग 200 लोगों की हत्या में शामिल था। हेरनवाला प्रतिबंधित खालिस्तान कमांडो फोर्स से जुड़ा हुआ था।

प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और भारत के वांछित आतंकवादियों में शामिल हरदीप सिंह निज्जर (45) की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया मे 18 जून को एक गुरुद्वारे की पार्किंग में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसपर 10 लाख रुपये का नकद इनाम था।

सूत्रों के मुताबिक निज्जर भारत में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के डर से 1996 में कनाडा भाग गया था और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए कनाडा में मादक पदार्थों की तस्करी और जबरन वसूली जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हो गया था। सूत्रों ने कहा कि निज्जर भारत में हमले करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया के एक आतंकी शिविर में युवाओं को प्रशिक्षण देने में भी शामिल था।

इन वर्षों में निज्जर ने प्रतिबंधित आतंकवादी समूह खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के 'अभियान प्रमुख' की भी भूमिका निभाई। वर्ष 2020 में उस पर भारत सरकार ने केटीएफ सदस्यों के 'संचालनकर्ता, नेटवर्किंग, प्रशिक्षण और वित्तपोषण' में सक्रिय रूप से शामिल होने का आरोप लगाया था।

निज्जर ने 2012 में पाकिस्तान का दौरा किया था और वह एक अन्य प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल के प्रमुख जगतार सिंह तारा के संपर्क में आया था।

जगतार सिंह तारा ने निज्जर को हथियार मुहैया कराए और 2012 और 2013 में उसे आईईडी 'असेंबल' करने का प्रशिक्षण दिया। उसने हाथ वाले जीपीएस डिवाइस को चलाने का प्रशिक्षण देने के लिए अमेरिका में रह रहे हरजोत सिंह बिरिंग को निज्जर के पास कनाडा भेजा।

सूत्रों ने बताया कि निज्जर ने तारा को 10 लाख पाकिस्तानी रुपये भी भेजे थे।

निज्जर ने वर्ष 2014 में तारा के निर्देश पर हरियाणा के सिरसा में डेरा सच्चा सौदा के मुख्यालय पर आतंकी हमले की योजना बनाई। हालांकि, यह हमला नहीं हो सका, क्योंकि निज्जर को भारतीय वीजा देने से इनकार कर दिया गया था।

पाकिस्तान में आम चुनावों के लिए कोई निश्चित तारीख बता पाना संभव नहीं : निर्वाचन आयोग

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने कहा है कि आम चुनावों के लिए कोई निश्चित तारीख बता पाना तकनीकी कारणों से संभव नहीं है। एक दिन पहले ही देश के राजनीतिक दलों ने आयोग से चुनाव की निश्चित तारीख बताने की मांग की थी। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया था कि चुनाव 'जनवरी, 2024 के आखिरी हफ्ते' में कराये जाएंगे। आगामी चुनाव की निश्चित तारीख नहीं बता पाने को लेकर आयोग निशाने पर आ गया है। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आम चुनाव की तारीख की आधिकारिक घोषणा करना 'तकनीकी रूप से संभव' नहीं है।

'एनिमल' से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'एनिमल' से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर,अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में हैं।फिल्म 'एनिमल' से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर 'एनिमल' से अपने लुक की झलक दिखाई है। रश्मिका ने इस ट्वीट में लिखा है, मिलिए गीतांजलि से।इस पोस्टर में रेड और व्हाइट कॉम्बिनेशन की साड़ी में रश्मिका मंदाना अपनी सादगी से हर किसी का दिल जीत रही हैं। सोशल मीडिया पर रश्मिका मंदाना के एनिमल मूवी के लुक को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म एनिमल 01 दिसंबर को रिलीज होगी।फिल्म एनिमल भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी की सिने1 स्टूडियोज़ और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा निर्मित है।

फिल्म 'दोनों' का गाना 'रांगला' रिलीज

मुंबई/वार्ता

राजवीर देओल और पलोमा ढ़िल्लो स्टारर फिल्म 'दोनों' का गाना 'रांगला' रिलीज हो गया है। 'दोनों' के गाना ' रांगला' को प्रतिभा सिंह बघेल और शंकर महादेवन ने गाया है।इसका संगीत और गीत शंकर-एहसान-लॉय और इरशाद कामिल ने दिए हैं। फिल्म दोनो से सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में राजवीर देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा नजर आएंगी।उनकी भी ये डेब्यू फिल्म ही है। राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड जियो स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत दोनों को कमल कुमार बड़जात्या, राजकुमार बड़जात्या, अजीत कुमार बड़जात्या और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं। फिल्म दोनो 5 अक्टूबर को रिलीज होगी।

सूरज बड़जात्या ने कहा,अवनीश ने रांगला गाने पर बहुत काम किया है, मुझे लगता है कि यह एल्बम से उनका पसंदीदा गाना है क्योंकि उन्होंने रांगला पर काफी मेहनत की है।अवनीश ने कहा,रांगला बहुत खास है, यह दोनों के सार को खूबसूरती से बांधता है। यह एक लव गीत है, जिसकी निश्चित रूप से अपनी एक आत्मा है, और यही बात मुझे इसके बारे में सबसे ज्यादा पसंद है। राजवीर ने कहा,यह एक ऐसा गाना है जिसमें आप खो जाते हैं। यह वास्तव में दोनों की आत्मा है। रांगला आखिरी गाना था जिसे हमने शूट किया था, और यह फिल्म और फिल्म में हमारी यात्रा का बेहद सुंदर अंजाम था।पालोमा ने कहा,रांगला फिल्म की जान है! रांगला की खूबसूरती यह है कि जब भी आप इसे सुनते हैं तो यह एक नया गाना बन जाता है। लीरिक्स, आवाज, धुन सभी में आपके दिलों को छू लेने की ताकत है। फिल्म में रांगला के आने का इंतजार कीजिए और आपको इसके हर हिस्से से प्यार हो जाएगा।

फिल्म 'एक परिन्दा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने निर्माता रत्नाकर कुमार की आने वाली भोजपुरी फिल्म 'एक परिंदा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'एक परिंदा' का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसके ट्रेलर में देखा जा सकता है कि अवधेश मिश्रा ने जीवन की सच्चाई से परिपूर्ण किरदार निभाया है। वहीं माही श्रीवास्तव ने माँ-बाप की दुलारी बेटी की भूमिका को बखूबी जिया है।

अगाध प्रेम से भरा आदर्श पति-पत्नी की भूमिका में अवधेश मिश्रा और रागिनी मिश्रा ने दिल छू लेने वाला अभिनय किया है। अवधेश मिश्रा ने फिल्म 'एक परिंदा' का निर्देशन भी किया है।

वर्ल्डवाइड चैनल एंड जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत एक परिंदा के निर्माता रत्नाकर कुमार, सह निर्माता निवेदिता कुमार है। वही फिल्म लेखन एवं निर्देशन अवदेश मिश्रा ने किया है। वही फिल्म के मुख्य कलाकारों में अवधेश मिश्रा, माही श्रीवास्तव, रागनी मिश्रा, हर्षित, अनिता रावत, अनिल रस्तोगी, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, रिंकू यादव, संतोष पहलवान, विशेष सिंह, योगेश पांडेय, जुबैर शाह, निशा पांडेय, सीमा यादव, प्रिय बिस्वास और चाइल्ड आर्टिस्ट प्रियांशी पायल है।

'शार्क टैंक इंडिया 3' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

बिजनेस रियलिटी टेलीविजन सीरीज 'शार्क टैंक इंडिया' के तीसरे सीजन के कैमरे ऑन हो गए हैं। तीसरे सीजन में अनुपम मित्तल, अमन गुप्ता, नमिता थापर, विनीता सिंह और अमित जैन निवेशकों के रूप में अपनी भूमिकाओं को दोहराते हुए दिखाई देंगे जो कंटेस्टेंट्स का टेस्ट लेंगे और उनके बिजनेस आइडिया जानेंगे। स्टैंड-अप कॉमेडियन राहुल दुआ भी बिजनेस डिस्कशन में लाफ्टर जोड़ते हुए एक बार फिर होस्ट की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

यह शो लोगों को अपने बिजनेस आइडियाज के साथ अनुभवी निवेशकों और बिजनेस एक्सपर्ट्स, जिन्हें 'द शार्क्स' कहा जाता है, के साथ अपने एंटरप्रेन्योर ड्रीम को पूरा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। यह शो अमेरिकी शो 'शार्क टैंक' की भारतीय फ्रेंचाइजी है। यह एंटरप्रेन्योर को निवेशकों या शार्क के एक पैनल के सामने बिजनेस प्रेजेंटेशन देते हुए दिखाता है, जो तय करते हैं कि उनकी कंपनी में निवेश करना है या नहीं। शो का पहला सीजन 20 दिसंबर 2021 से 4 फरवरी 2022 तक सोनी लिव और सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित हुआ, और निवेशक अश्नीर ग्रोवर के वन लाइनर्स के आधार पर बनाए गए मीम्स के कारण बड़ा चर्चा का विषय बना। 'शार्क टैंक इंडिया 3' जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

वेब सीरीज 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' का ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

मौनी रॉय और ताहिर राज भसीन की अपकमिंग वेब सीरीज 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' का ट्रेलर सामने आ गया है। इसे शुक्रवार (22 सितंबर) को रिलीज कर दिया गया। फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में जहां ताहिर की जबरदस्त एक्टिंग देखने को मिल रही है, वहीं मौनी की अदाएं और उनका ग्लैमरस अवतार भी चर्चाओं में है। सीरीज में 1960 के दशक की दिल्ली को बखूबी दर्शाया गया है। ताहिर का किरदार दिल्ली पर शासन करना चाहता है। उसका दावा है कि वो बंटवारे के बाद सरहद पार से आया है। उसकी लड़ाई एक राजा के परिवार से है। इसमें गैंगस्टर्स का दौर भी देखने को मिलेगा। साथ ही हॉटनेस और बोल्डनेस का भी तड़का लगाया गया है।

संवाद और अभिनय के मामले में भी ये काफी बेहतरीन लग रही है। गौरतलब है कि सीरीज के सभी एपिसोड 13 अक्टूबर से स्ट्रीम किए जाएंगे। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। सीरीज में अनुप्रिया गोयनका, विनय पाठक, हरलीन सेठी, निशांत दहिया और मेहरीन पीरजादा भी अहम रोल में हैं। इस सीरीज का निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। वेब सीरीज को हिन्दी सिनेमा में कच्चे धागे, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुम्बई, डर्टी पिक्चर और टैक्सी नम्बर 9211 देने वाले मिलन लूथरिया ने निर्देशित किया है। ट्रेलर सीरीज को देखने की उत्सुकता जगाने में सफल है।

'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी करीना कपूर!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर फिल्म सिंघम अगेन में काम करती नजर आ सकती हैं। रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू कर दी है। करीना कपूर ने सिंघम रिटर्न्स में अजय देवगन की पत्नी की भूमिका निभायी थी।'सिंघम अगेन' में अजय देवगन, रणवीर सिंह और अक्षय कुमार हैं। इसके अलावा इस फिल्म का हिस्सा करीना कपूर खान होंगी या नहीं, इसपर सस्पेंस बरकरार है। करीना कपूर ने हिंट दिया है कि वह सिंघम अगेन का हिस्सा होंगी। करीना ने कहा,मैं एक ऐसे फेज में एंटर कर रही हूं जो अनजान है लेकिन मैं सुपर सुपर उत्साहित हूं। मैं सिर्फ तलाश करना चाहती हूं, यह सफलता या विफलता के बारे में नहीं है...यह बॉक्स ऑफिस नंबरों के दबाव के बारे में नहीं है। वहां द क्रू होगा और वहां सिंघम होगा और वहां वह सब होगा जो सर्वोत्कृष्ट नायिका और बेबो है। लेकिन मैं सिर्फ एक अभिनेता के रूप में खुद को तलाशना पसंद कर रही हूं।अब, यह स्टारडम के बारे में नहीं है। मैं अब स्टारडम नहीं करना चाहती। मैं हमेशा से कैमरे के सामने रहना चाहती थी और एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचना बनाना चाहती थी और यही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुझे लगता है कि मैं शायद इस समय अपने करियर का सबसे अच्छा समय बिता रही हूं और इसके साथ अगली दो फिल्में चाहे वह जाने जान हो या द बकिंघम मर्डर्स।

PM GatiShakti National Master Plan for Multi-Modal Connectivity | आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20 भारत 2023 INDIA

देश भर में एक साथ
9 वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

01 विजयवाड़ा – चेन्नई
02 तिरुनेलवेली–मदुरै–चेन्नई
03 कासरगोड–तिरुवनंतपुरम
04 जामनगर–अहमदाबाद
05 राँची–हावड़ा
06 उदयपुर–जयपुर
07 पटना–हावड़ा
08 राउरकेला–पुरी

कर्नाटक को भी मिल रहा वंदे भारत का उपहार

हैदराबाद–बेंगलुरु
वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन
का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

लाभ

- इस रूट पर पहले से चल रही सबसे तीव्र ट्रेन की तुलना में यात्रा समय में 150 मिनट से ज्यादा की कमी
- बेंगलुरु अर्बन, बेंगलुरु रूरल, श्री सत्यसाई, करनूल, अनंतपुर, हैदराबाद और आसपास के जिलों के लोगों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी
- हैदराबाद, करनूल एवं अनंतपुर में पर्यटन को बढ़ावा और पेशेवरों, व्यापारियों, छात्रों एवं यात्रियों को लाभ
- हैदराबाद और बेंगलुरु में आई.टी. तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए व्यापार के अवसरों में वृद्धि

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
द्वारा
(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)
रविवार, 24 सितम्बर, 2023, दोपहर 12.30 बजे

PUB/401/AAS/PRB/SWR/2023-24

वंदे भारत एक्सप्रेस की मुख्य विशेषताएँ

- 160 किमी प्रति घंटा की उच्चतम गति की स्वेदेशी वंदे भारत ट्रेन
- प्रत्येक सीट के नीचे उपलब्ध चार्जिंग पॉइंट का बेहतर एक्सेस तथा पहले से अधिक झुकाव के साथ सीट को 360° तक घुमाने की सुविधा
- दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, सीट हैंडल, और ब्रेल लिपि में सीट नंबर
- हवा को स्वच्छ रखने हेतु विशेष एंटीबैक्टीरियल यूवी लैंप, बेहतर वेंटिलेशन तथा एयर कंडीशनिंग से युक्त कोच
- कवच (टक्कर–रोधी प्रणाली) से लैस
- प्रत्येक कोच सीसीटीवी कैमरों व इन्फोटेनमेंट सुविधाओं से युक्त
- ऐरोसोल आधारित बेहतर अग्निशमन सुरक्षा उपायों से युक्त

टाइम टेबल
हैदराबाद (काचीगुडा) – बेंगलुरु (यशवंतपुर)

20703 KCG-YPR	↓ स्टेशन ↑	20704 YPR-KCG
Dep. 05:30 AM	काचीगुडा	Arr. 11:15 PM
06:49/06:50 AM	महबूबनगर	09:34/09:35 PM
08:24/08:25 AM	करनूल सिटी	07:50/07:51 PM
10:44/10:45 AM	अनंतपुर	05:29/05:30 PM
11:14/11:15 AM	धर्मवरम	04:59/05:00 PM
Arr. 02:00 PM	यशवंतपुर	Dep. 02:45 PM

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

भारतीय रेल

/RailMinIndia पर हमें फॉलो करें

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com